● सीधी, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 36, अंक 139, पृष्ठ : 08, सीधी, गुरूवार, 27 जून 2024 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

सड़के खराब हैं तो टोल टैक्स लेना गलत, लोग भड़केंगे ही : गडकरी 5

भारत-इंग्लैंड सेमीफाईनल आज 6

ओम बिरला लगातार दूसरी बार लोकसभा स्पीकर बने

पहले भाषण में इमरजेंसी का जिक्र किया, राहुल बोले- आशा है, विपक्ष की आवाज नहीं दबेगी

नई दिल्ली। ओम बिरला लगातार दूसरी बार लोकसभा के स्पीकर चुने गए। बुधवार, 26 जून को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही प्रोटेम स्पीकर भतृहरि महताब ने स्पीकर के चुनाव की घोषणा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिरला के नाम का प्रस्ताव रखा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत एनडीए के नेताओं ने समर्थन किया। सदन में ध्वनिमत से बिरला के नाम का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया गया। इसके बाद पीएम मोदी और विपक्ष के नेता राहुल गांधी उन्हें चेयर तक छोड़ने आए।

इससे पहले शिवसेना (यूटीबी) सांसद अरविंद सावंत ने कांग्रेस सांसद के. सुरेश को लोकसभा अध्यक्ष के रूप में चुने जाने का प्रस्ताव रखा। सदन की कार्यवाही ढाई घंटे (सुबह 11 बजे

से दोपहर डेढ़ बजे तक) चली।

बिरला ने पहले भाषण में आपातकाल को काला धब्बा बताया। 2 मिनट का मौन रखवाया। सत्ता पक्ष ने मौन रखा, लेकिन विपक्ष ने हंगामा किया और कहा- स्पीकर भाजपा का एजेंडा चला रहे हैं। सत्र 27 जून को राष्ट्रपति के अभिभाषण तक स्थगित कर दिया गया। बिरला भाजपा के पहले ऐसे सांसद हैं, जो लगातार दूसरी बार स्पीकर बने। वे राजस्थान के कोटा से तीसरी बार जीत कर आए हैं। खास बात यह है कि देश के उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ भी राजस्थान से आते हैं।

बिरला के स्पीकर बनने पर पीएम ने कहा- आपके पांच साल का अनुभव से आप आने वाले पांच साल हम सबका मार्गदर्शन करेंगे। शास्त्रों में कहा गया है कि विनम्र और व्यवहार कुशल व्यक्ति सफल होता है। आपको उसके साथ मीठी-मीठी मुस्कान भी मिली है। राहुल गांधी ने कहा- मुझे विश्वास है कि आप विपक्ष की आवाज दबने नहीं देंगे। सपा सांसद अखिलेश यादव ने कहा- उम्मीद है कि विपक्ष की आवाज नहीं दबाई जाएगी। न ही निष्कासन जैसी कार्रवाई की जाएगी। आपका अंकुश विपक्ष पर तो रहता है, सत्ता पर भी रहे। आपके इशारे पर सदन चलता है, इसका उल्टा न हो। स्पीकर ने आपातकाल की निंदा की, पक्ष-विपक्ष ने नारेबाजी की-ओम बिरला ने कहा- यह सदन 1975 में आपातकाल लगाने की निंदा करता है। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इमरजेंसी लगाकर अंबेडकर के संविधान का अपमान किया था। इंदिरा गांधी ने भारत पर तानाशाही थोपकर लोकतंत्र का अपमान किया गया। अभिव्यक्ति की आजादी छीनी गई। मीडिया पर अनेक पाबंदियां लगा दी गई थी। कई नेताओं को मीसा के तहत बंद किया। इमरजेंसी के दौरान जान गंवाने वालों की याद में मौन- स्पीकर ओम बिरला इमरजेंसी के दौरान जान गंवाने वालों की याद में दो मिनट का मौन रखने को कहा। सत्ता पक्ष के सांसदों ने मौन रखा, लेकिन कांग्रेस और विपक्ष के सांसद हंगामा करते रहे। कांग्रेस सांसदों का आरोप था कि स्पीकर भाजपा का एजेंडा चला रहे हैं। मौन के बाद स्पीकर ने गुरुवार तक के लिए संसद को स्थगित कर दिया। मंत्रिमंडल के परिचय के दौरान जैसे ही पीएम मोदी ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का नाम लिया, विपक्ष के सांसदों ने शेम-शेम के नारे लगाए।

आपातकाल की संघर्ष गाथा पाठ्यक्रम का हिस्सा बनेगी : डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आपातकाल की संघर्ष गाथा पाठ्यक्रम का हिस्सा बनेगी। आपातकाल के कष्टों से वर्तमान पीढ़ी को अवगत कराने के उद्देश्य से तत्कालीन परिस्थितियों, दमन और लोकतंत्र सेनानियों की जीवटता का उल्लेख पाठ्यक्रम में किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव लोकतंत्र सेनानियों के प्रादेशिक सम्मेलन को मुख्यमंत्री निवास में संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास पधारे लोकतंत्र सेनानियों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्वलित कर भारत माता, नानाजी देशमुख एवं श्री जयप्रकाश नारायण के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। लोकतंत्र सेनानियों का प्रादेशिक सम्मेलन वंदे-मातरम गान के साथ आरंभ हुआ। उन्होंने कहा कि

मुख्यमंत्री निवास मुख्यमंत्री का निवास नहीं, अपितु लोकतांत्रिक व्यवस्था का एक भाग है और लोकतंत्र सेनानी लोकतांत्रिक व्यवस्था के सर्वाधिक सम्मानित व्यक्ति हैं। मुख्यमंत्री निवास में स-सम्मान आना उनका अधिकार और सेनानियों का स्वागत व सम्मान करना हमारा कर्तव्य है, लोकतंत्र सेनानी मुख्यमंत्री निवास पधारे, यह हमारा सौभाग्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों को सर्किट हाऊस और विश्राम गृह में तीन दिन तक रूकने की सुविधा तथा किराये में 50 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। जिन लोकतंत्र सेनानियों को अब तक ताम्रपत्र प्राप्त नहीं हुए हैं, उन्हें ताम्रपत्र प्रदान किये जाएंगे। लोकतंत्र सेनानियों को पास दिखाने पर टोल नाकों पर भी छूट रहेगी। उनके आयुष्मान कार्ड द्वारा इलाज पर हुए व्यय के भुगतान में विलम्ब नहीं होगा।

कर्नाटक में तीन और डिप्टी सीएम की मांग

फिलहाल डीके शिवकुमार इस पद पर हैं, सीएम सिद्धारमैया बोले- हाईकमान का फैसला अंतिम

बेंगलुरु। कर्नाटक में तीन और डिप्टी सीएम बनाए जाने की मांग उठ रही है। कर्नाटक के कुछ मंत्री वीराशैवा-लिंगायत, एससी/एसटी और माइनॉरिटी कम्युनिटी के नेताओं को डिप्टी सीएम दिए जाने की पैरवी कर रहे हैं। इसे लेकर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा है कि इस मामले में कांग्रेस हाईकमान का फैसला फाइनल होगा। फिलहाल कर्नाटक में डिप्टी सीएम के पद पर वोक्कालिगा समुदाय के डीके शिवकुमार हैं। को-ऑपरेशन मिनिस्टर केएन

राजन्ना, हाउसिंग मिनिस्टर बीजेड जमीर अहमद खान, पब्लिक वर्क्स मिनिस्टर सतीश जारकीहोली समेत कई अन्य नेताओं ने इस हफ्ते राज्य में तीन और डिप्टी सीएम बनाए जाने का मामला उठाया। ये सभी नेता सिद्धारमैया के करीबी माने जाते हैं।

राज्य में कांग्रेस के एक धड़े का मानना है कि मंत्रियों का तीन नए डिप्टी सीएम की मांग करना सिद्धारमैया कैंप के प्लान का हिस्सा है, ताकि मौजूदा डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार को काबू में रखा जा सके और सरकार और पार्टी में उनके प्रभाव को कम किया जा सके। दरअसल पिछले साल मई में राज्य में कांग्रेस की सरकार बनने के समय से ऐसी चर्चाएं हैं कि सरकार के ढाई साल पूरे होने के बाद शिवकुमार सीएम पर दावेदारी कर सकते हैं।

गलत तरीके से सिम खरीदी तो 50 लाख जुर्माना

नई दिल्ली। देश में 26 जून से नया टेलिकम्युनिकेशन एक्ट 2023 लागू हो गया है। अब भारत का कोई भी नागरिक जिंदगी भर 9 से ज्यादा सिम कार्ड नहीं ले सकेगा। अगर इससे ज्यादा सिम खरीदता है तो जुर्माना लगेगा। नया कानून सरकार को राष्ट्रीय सुरक्षा कारणों से किसी भी टेलिकॉम सर्विस या नेटवर्क और मैनेजमेंट को टेक ओवर करने या उसे सस्पेंड करने की अनुमति देता है। युद्ध जैसी स्थिति में जरूरत पड़ने पर सरकार टेलिकॉम नेटवर्क पर मैसेजेज को इंटरसेप्ट कर सकेंगी।

राहुल गांधी लोकसभा में नेता विपक्ष बने

पहली बार सवैधानिक पद संभालेंगे, राजीव-सोनिया के बाद इस पोजिशन पर रहने वाले गांधी परिवार के तीसरे सदस्य

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी लोकसभा में विपक्ष के नेता होंगे। पार्टी ने मंगलवार (25 जून) को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर इंडिया गठबंधन के नेताओं की बैठक के बाद इसकी घोषणा की। इसके बाद कांग्रेस संसदीय बोर्ड की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि माहताब को इस संदर्भ में पत्र लिखा।

राहुल अपने 20 साल के पॉलिटिकल करियर में पहली बार कोई संवैधानिक पद संभालेंगे। वे इस पद पर रहने वाले गांधी परिवार के तीसरे सदस्य होंगे। इससे पहले उनके पिता और

पूर्व पीएम राजीव गांधी 1989-90 और मां सोनिया 1999 से 2004 तक इस पद पर रह चुकी हैं।

लोकसभा में 10 साल से नेता प्रतिपक्ष का पद खाली था। 2014 और 2019 में किसी विपक्षी दल के पास इसके लिए जरूरी न्यूनतम 10% सदस्य नहीं थे। नेता प्रतिपक्ष पद के लिए दावा पेश करने के लिए किसी भी पार्टी को कुल 543 में से 55 सदस्यों का आंकड़ा पार करना होता है।

2024 के चुनाव में कांग्रेस 99 सीटों के साथ सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी बनी है। भाजपा की 240 और एनडीए की 293 सीटों के मुकाबले इंडिया गठबंधन 232 सीटें जीतने में कामयाब रही। इससे पहले 2019 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस सिर्फ 52 सीटें जीती थीं। 2014 के चुनाव में पार्टी सिर्फ 44 सीटों पर जीत हासिल कर सकी थी।

सोना 230 रुपए गिरकर 72,000 रुपए पर आया,चांदी में भी 1,000 रुपए की गिरावट

नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 26 जून को गिरावट है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 230 रुपए गिरकर 72,000 रुपए पर आ गया है। कल इसके दाम 72,230 रुपए प्रति दस ग्राम थे। वहीं एक किलो चांदी 1,000 रुपए गिरकर 90,000 रुपए में बिक रही है। हालांकि, इस साल अब तक सोने के दाम 8,130 रुपए प्रति 10 ग्राम बढ़ चुके हैं। साल की शुरुआत में ये 63,870 रुपए पर था। वहीं चांदी साल की शुरुआत में 72,160 रुपए प्रति किलो पर थी। यानी, चांदी इस साल 17,840 रुपए बढ़ चुकी है।

जम्मू-कश्मीर के डोडा में तीन आतंकी ढेर

डोडा। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के गंडोह इलाके में बुधवार (26 जून) को सुरक्षाबलों ने तीन आतंकियों को मार गिराया है। सुबह 2-3 आतंकियों के इलाके में छिपे होने की सूचना के बाद पुलिस और सेना ने सर्च ऑपरेशन लॉन्च किया था, जिसके बाद सुबह 9.50 बजे एनकाउंटर शुरू हुआ।

इस एनकाउंटर में जम्मू-कश्मीर पुलिस में तैनात स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप का जवान भी घायल हुआ है। आशिक हुसैन नाम के इस जवान को डोडा के सरकारी मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यहां डॉक्टरों ने बताया है कि उनके दाहिने पैर में गोली लगी है। अधिकारियों ने बताया कि 11 और 12 जून को डोडा में दोहरा आतंकवादी हमला हुआ था। इसके बाद से सेना,सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं। आज सुबह 2-3 आतंकियों के सिनू पंचायत के गांव में छिपे होने की सूचना मिली थी। इसी दौरान ढोक (मिट्टी से बना घर) से आतंकियों ने टीम पर गोलीबारी की। इलाके में अब भी सर्च ऑपरेशज जारी है। पूरे इलाके पर ड्रोन और हेलीकॉप्टर के जरिए नजर रखी जा रही है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि राजौरी जिले के चिंगस इलाके के पिंड गांव से मंगलवार शाम चीनी ग्रेनेड बरामद किया गया था।

मध्य प्रदेश सरकार तीन जुलाई को पेश करेगी बजट

साढ़े तीन लाख करोड़ रुपए के होने का अनुमान

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र 1 जुलाई से शुरू होगा। इस सत्र में डॉ. मोहन यादव सरकार वर्ष 2024-25 के लिए तीन जुलाई को बजट पेश करेगी। यह बजट साढ़े तीन लाख करोड़ रुपए से अधिक का होने का अनुमान है। इसमें प्रदेश सरकार की तरफ से की संचालित योजनाओं के लिए बजट प्रावधान किए जाएंगे। बजट को लेकर सरकार ने अपनी पूरी तैयारी कर ली है।

विधानसभा सचिवालय ने 19 जुलाई तक चलने वाले सत्र के लिए कार्यवाही विधेयक पेश करने

और प्रश्नोत्तर काल के समय की सूची विधायकों के लिए जारी कर दी है। सत्र के पहले दिन और दूसरे दिन प्रश्नोत्तर काल के बाद शासकीय कार्य होंगे। जिसमें विधेयक पेश किए जाएंगे। इसके बाद 3 जुलाई को एमपी सरकार का बजट पेश होगा। इसमें वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा वर्ष 2024-25 के आय व्यय का लेखा जोखा पेश करेंगे। सचिवालय की तरफ से जारी जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन की जानकारी सदन के पटल पर सुबह 11.05 बजे रखी जाएगी। चार और पांच जुलाई को प्रश्नोत्तर काल के बाद बजट पर चर्चा होगी। साथ ही पांच जुलाई को ही अशासकीय संकल्प और विधेयक पेश किए जाएंगे।

इसके बाद दो दिन अवकाश के बाद 8 जुलाई को प्रश्नोत्तर काल के बाद विभागीय मांगों पर मतदान कराया जाएगा और यह प्रक्रिया 12 जुलाई तक चलेगी। 12 जुलाई कोही अशासकीय संकल्प और विधेयक सदन में पेश किए जाएंगे। इसके बाद 13 और 14 जुलाई को विधानसभा का अवकाश रहेगा। इसके बाद दो दिन बजट पर चर्चा के बाद 16 जुलाई को बजट को मंजूरी दी जाएगी। 17 जुलाई को अवकाश के बाद 18 और 19 जुलाई को शासकीय विनियोग विधेयकों पर चर्चा होगी।

केजरीवाल को 3 दिन की सीबीआई रिमांड

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को ट्रायल कोर्ट ने तीन दिन की सीबीआई कस्टडी में भेज दिया है। कोर्ट ने उन्हें इजाजत दी है कि वे रोजाना अपनी पत्नी से और तीस मिनट अपने वकील से मिल सकेंगे। इसके साथ उन्हें अपनी दवाएं रख सकेंगे और उनके लिए घर का खाना आ सकेगा। बुधवार सुबह सीबीआई ने शराब नीति केस में भ्रष्टाचार के आरोप में केजरीवाल को गिरफ्तार किया था। इसके बाद सीबीआई ने उन्हें ट्रायल कोर्ट में पेश कर 5 दिन की कस्टडी मांगी। कोर्ट ने करीब 4 घंटे तक दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। शाम 7 बजे कोर्ट ने फैसला सुनाया। अगली सुनवाई 29 जून को होगी। सुनवाई के दौरान केजरीवाल ने कहा कि मीडिया में खबर चलाई जा रही है कि मैंने सिसोदिया पर शराब नीति के आरोप लगाए हैं। यह गलत है। मैंने कहा था कि कोई दोषी नहीं हैं। सिसोदिया भी दोषी नहीं हैं। इस पर सीबीआई के वकील ने कहा मीडिया में जो चल रहा है वह सब सही है। सब फैक्ट्स पर आधारित है। इससे पहले सुनवाई के दौरान ही कोर्ट रूम में केजरीवाल की तबीयत बिगड़ गई थी। उनका शुगर लेवल गिरने के कारण कुछ देर के लिए उन्हें अलग रूम में शिफ्ट किया गया।

सबसे ताकतवर सैन्य संगठन नाटो के चीफ बनेंगे मार्क रूट

ब्रुसेल्स। नीदरलैंड के प्रधानमंत्री मार्क रूट दुनिया के सबसे बड़े सैन्य संगठन नाटो के सेक्रेटरी जनरल होंगे। सेक्रेटरी जनरल की दौड़ में उनका मुकाबला रोमानिया के पीएम क्लोस लोहनिस से था। हालांकि पिछले ही हफ्ते उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया था। जिसके बाद मार्क रूट के सेक्रेटरी जनरल बनने का रास्ता साफ हो गया। मार्क रूट का प्रधानमंत्री के तौर पर कार्यकाल जल्द ही समाप्त होने वाला है। वे ऐसे समय में नाटो के सेकेट्ररी जनरल बनने जा रहे हैं, जब इस संगठन के सामने रूस-यूक्रेन युद्ध जैसी एक बड़ी चुनौती मौजूद है। रूट का कार्यकाल 1 अक्टूबर से शुरू होगा। वे निवर्तमान सेक्रेटरी जेंस स्टॉलटेनबर्ग की जगह लेंगे।

अयोध्या में भारी बारिश, घरों में पानी घुसा

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में मंगलवार-बुधवार की रात मानसून की एंट्री हो गई। अयोध्या, वाराणसी और गोरखपुर में रात 12 बजे से सुबह 6 बजे तक जोरदार बारिश हुई। अयोध्या में कई घरों में 2-3 फुट तक पानी भर गया। हनुमानगढ़ी चौराहे के पास रामपथ पर पानी भर गया। आज भी भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। उत्तर प्रदेश के देवरिया और लखीमपुर में बिजली गिरने से 3 बच्चों की मौत हो गई। राजस्थान में 2 और बिहार में 5 लोगों ने जान गंवाईं। मौसम विभाग ने बुधवार के लिए 21 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड, गुजरात, महाराष्ट्र शामिल हैं। तमिलनाडु, गोवा, कर्नाटक, केरल, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम, मेघालय, अरुणाचल, नगालैंड, मिजोरम और त्रिपुरा में भी बारिश का अलर्ट है। दक्षिण-पश्चिम मानसून निकोबार में 19 मई को पहुंच गया था। केरल में इस बार दो दिन पहले, यानी 30 मई को ही मानसून पहुंच गया था और कई राज्यों को कवर भी कर गया। फिर 12 से 18 जून तक (6 दिन) मानसून रुका रहा। 6 जून को मानसून ने महाराष्ट्र में एंट्री ली और 11 जून को गुजरात में दाखिल हुआ। मानसून 12 जून तक केरल, कर्नाटक, गोवा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना को पूरी तरह कवर कर चुका था। साथ ही दक्षिण महाराष्ट्र के ज्यादातर हिस्सों, दक्षिणी छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों, दक्षिणी ओडिशा, उपहिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम और सभी पश्चिमोत्तर राज्यों में पहुंच गया था। 18 जून तक मानसून महाराष्ट्र के जलगांव, अमरावती, चंद्रपुर, छत्तीसगढ़ के बीजापुर, सुकमा, ओडिशा के मलकानगिरी और आंध्र प्रदेश के विजयनगरम तक पहुंचा था।

नर्सिंग घोटाले का मुद्दा संसद में उठाने की तैयारी

भोपाल

मध्यप्रदेश के बहुचर्चित नर्सिंग घोटाले का मुद्दा मध्यप्रदेश में तेजी से गूंज रहा है। विधानसभा के मानसून सत्र में कांग्रेस इसे मुद्दे को तेजी से उठाने वाली है। इसके लिए कांग्रेस ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। उधर, नर्सिंग घोटाले के व्हिस्लब्लोअर रवि परमार भ्रष्टाचार से जुड़े दस्तावेज लेकर दिल्ली पहुंच चुके हैं। यहां उन्होंने कांग्रेस पार्टी के नेताओं से मुलाकात कर संसद में यह मुद्दा उठाने की आग्रह की है।

एनएसयूआई नेता रवि परमार नर्सिंग घोटाले से जुड़े दस्तावेज लेकर लेकर सोमवार से दिल्ली में हैं। उन्होंने दिल्ली में भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरूण चौधरी वरिष्ठ कांग्रेस नेता पूर्व मुख्यमंत्री व राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह से मुलाकात कर नर्सिंग घोटाले के मुद्दे को कांग्रेस सांसदो के माध्यम से लोकसभा में उठाने का आग्रह

किया। परमार ने एआईसीसी मुख्यालय में पार्टी के अन्य सीनियर नेताओं से भी मुलाकात की और उन्हें हाई प्रोफाइल नर्सिंग घोटाले से अवगत कराया।

रवि परमार ने वरूण चौधरी और दिग्विजय सिंह समेत अन्य पार्टी नेताओं को मध्यप्रदेश में हुए नर्सिंग कालेज महाघोटाले की बिन्दुवार जानकारी देते हुए बताया कि राज्य की भाजपा सरकार में चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधिकारियों और मध्यप्रदेश नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल के अधिकारियों और मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर के अधिकारियों की मिली-भगत से किस तरह नर्सिंग महाघोटाले को अंजाम दिया गया। परमार ने बताया कि प्रदेश में लाखों नर्सिंग छात्र छात्राओं के भविष्य के खिलवाड़ किया गया है। हम उनके हक की लड़ाई निरंतर लड़ रहे हैं। वहीं, सरकार नर्सिंग घोटाले के आरोपियों को बचाने की कोशिश में जुटी हुई। लेकिन हमारी लड़ाई जारी रहेगी।

परमार ने बताया कि मप्र में शासकीय नर्सिंग कॉलेजों में 2022 में प्रवेश के लिए प्री नर्सिंग सिलेक्शन टेस्ट (पीएनसीटी) की परीक्षा जुलाई 2023 में आयोजित करवाई गई थी, जिसमें 66 हज़ार स्टूडेंट्स ने परीक्षा दी थी। लेकिन आज तक उसका परीक्षा परिणाम जारी नहीं किया गया। वहीं, शासकीय नर्सिंग कॉलेजों से पढ़ाई करने वाली छात्राओं को पढ़ाई के बाद नियम अनुसार शासकीय नौकरी दी जानी थी। लेकिन 18 महीने बीतने के बाद भी उनको ज्वाइनिंग नहीं दी गई। सभी तरफ से छात्र-छात्राएं परेशान हैं। परमार ने पार्टी नेताओं को बताया कि नर्सिंग महाघोटाला व्यापम से भी बड़ा है और इसके तार न सिर्फ तत्कालीन चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग बल्कि वर्तमान के केंद्र सरकार के मंत्रियों से भी जुड़े हुए हैं।

निराकरण से पहले ही सीएम हेल्प लाइन की शिकायत बंद कराने की धमकी

देवसर तहसीलदार बीके पटेल के उपर पीड़ित ने लगाया आरोप

आरआई के उपर रिश्वत लेने का भी लगाया आरोप

सीमांकन एवं नक्शा तरमीम के लिए दो साल से भटक रहे पीड़ित को नही मिल रहा न्याय

एसडीएम देवसर से हुई शिकायत

सिंगरौली

जिले के देवसर तहसीलदार बीके पटेल के उपर एक भू स्वामी पीड़ित ने निराकरण से पहले ही सीएम हेल्प लाइन की शिकायत बंद कराने का आरोप लगाया है। पीड़ित नूर लेन ने बताया कि उसने देवसर के खोभा स्थित अपनी जमीन के सीमांकन एवं नक्शा तरमीम कराने का आवेदन तहसील कार्यालय देवसर में दिया है। आवेदन पर संबंधित पटवारी एवं आरआई पिछले दिनों सीमांकन करने गए थे लेकिन सीमा चिन्हित नही किए,जिससे असंतुष्ट होकर पीड़ित ने सीएम हेल्प लाइन में शिकायत दर्ज कराई थीएपीडति के अनुसार तहसीलदार ने 12 जून को तहसील कार्यालय में पीड़ित से यह कहा कि तुम सीएम हेल्प लाइन की शिकायत बंद कर दो एक हफ्ते में मैं स्वयं स्थल पर चलकर सीमांकन करवाता हूं। अब एक हफ्ते से ज्यादा समय गुजर गया और अभी तक कोई निराकरण नहीं हुआ।

मामले पर एक नजर

पीड़ित ने बताया कि ग्राम खोमा की आराजी नं. 181/1/13/1 रकवा 0.070 हे. के नक्शा.तर्मीम एवं सीमाकंन बावत् विधिवत् आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिसके सम्बन्ध मे तहसील कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत करने पर राजस्व निरीक्षक गिर्द बलजीत रावत को पत्र क्रमांक 284/2024 आदेश दिनांक 11/03/2024 जारी किया गया है। एक सप्ताह के अन्दर कार्यवाही कर प्रतिवेदन तहसीलदार तहसील देवसर के समक्ष प्रस्तुत किया जावे लेकिन कार्यवाही न होने की पुन: स्मरण पत्र क्रमांक 600/2024 दिनांक 17/05/2024 को जारी किया गया कि राजस्व निरीक्षक एक सप्ताह के अन्दर नक्शा तर्मीम व सीमाकंन कर पालन प्रतिवेदन भेजा जावे किन्तु राजस्व निरीक्षक द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई।

राजस्व निरीक्षक के उपर रिश्वत लेने का आरोप

पीड़ित ने आरोप लगाया है कि संबंधित राजस्व निरीक्षक द्वारा 5000 रूपये ले लिया गया है और 15000 रूपये और मांग की है। बताया गया कि रिश्वत लेने के बाद भी निराकरण नहीं किया गया।

निराकरण से पूर्व ही बंद करवा दिए शिकायत

आरोप यह भी लगाया गया है कि जब निराकरण नही हो सका तब आवेदक द्वारा सीएमहेल्प लाइन पर अपनी शिकायत दर्ज कराई गई । उक्त शिकायत के सम्बन्ध में तहसीलदार देवसर के बुलाये जाने पर तहसीलदार द्वारा कुछ स्थानीय जनों के समक्ष 12 जून को शिकायत कटवाये जाने हेतु मोबाइल नं मांग कर समाप्त करवाया गया और कहा गया कि एक सप्ताह के अन्दर सीमाकंन हो जाएगा। किन्तु आज 2 सप्ताह गुजर गया और अभी तक तहसीलदार देवसर द्वारा कोई निराकरण नही कराया गया है। पीडित ने कहा कि मेरे द्वारा की गई सीएमहेल्प लाइन की शिकायत12 जून को कटवाया गया है । जिसकी तहकीकात सीसीटीव्ही के फुटेज से देखा जा सकता है।

दो साल से भटक रहे पीड़ित को नही मिल रहा न्याय

पीड़ित सीमाकंन व नक्शा तर्मीम न होने से काफी परेशान हो रहा है। चूंकि उसके द्वारा मकान निर्माण हेतु मटेरियल लगभग एक वर्ष से रखा है जो खराब हो रहा है। उसने कहा कि अब तंग व हो चुका हूं लगातार प्रशासन से निवेदन कर रहा हूं। किन्तु मेरा कार्य नही हो रहा है।

घर से गायब नाबालिका को पुलिस ने सीधी से किया दस्तयाब

सिंगरौली

पुलिस अधीक्षक निवेदिता गुप्ता द्वारा गुम इंसान को दस्तयाब करने के दिशा निर्देश मिलने के बाद से ही जिले भर की पुलिस थाना क्षेत्र से गायब लोगों को तलाश करने में जुटी है। इसी परिपेक्ष में गोरबी पुलिस ने भी चौकी क्षेत्र के महदेइया से लापता एक नाबालिका को कड़ी मशक्कत के बाद सीधी से दस्तयाब कर परिजनों को सौंप दिया। अपनी बच्ची को सही सलामत पाकर परिजन के चेहरे पर मुस्कान आ गई और वह पुलिस की सराहना करते दिखे। मामला मोरवा थाना क्षेत्र के गोरबी चौकी अंतर्गत ग्राम महदेइया निवासी का बताया जा रहा है। जिसकी 17 वर्षीय नाबालिक बेटी 24-25 जून की दरमियानी रात घर से लापता हो गई थी। रात करीब 1.30 बजे जब उसकी मां ने उसे घर पर नहीं पाया तो उसने अपने पति को इस बारे में बताया और सभी ने आसपास उसकी तलाश की परंतु नहीं पता चलने पर वह शिकायत लेकर चौकी जा पहुंचे। जहां

किसी अनहोनी घटना से आशंकित उपनिरीक्षक भिपेंद्र पाठक ने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया। जिसके बाद एसडीओपी कृष्ण कुमार पांडे के मार्गदर्शन एवं निरीक्षक कपूर त्रिपाठी के सतत निगरानी में अपराध धारा 363 भादवि कायम कर एक टीम गठित कर नाबालिका की तलाश की जाने लगी। बालिका को ढूंढ रही पुलिस को सूचना मिली की उसे सीधी जिले में देखा गया है। जिसके बाद सीधी पुलिस से सम्पर्क साध कर तत्काल 24 घंटे के भीतर बालिका को सुरक्षित दस्तयाब कर लिया गया। इस संपूर्ण कार्यवाही में मुख्य रूप से उपनिरीक्षक भीपेंद्र पाठक, सउनि छत्रपाल पांडे, राजकुमार त्रिपाठी, प्रआर नरेंद्र यादव, उमाशंकर सिंह, थाना बरगवां के आरक्षक विकेश सिंह एवं जिला सीधी में उपनिरीक्षक मोनिका पांडे, प्रधान आरक्षक रविंद्र सिंह ने संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ अपनी भूमिका का निर्वहन किया।

एएसपी ने किया पुलिस लाईन का वार्षिक निरीक्षण

सिंगरौली। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा द्वारा पुलिस लाइन पचौर का वार्षिक निरीक्षण किया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नें गार्ड पर सलामी लेकर गार्ड का निरीक्षण किया। पुलिस लाइन की विभिन्न शाखाएं जैसे स्टोर शाखा,कैश शाखा, रोजनामचा शाखा, वाहन शाखा, शस्त्रागार, गार्ड रूम का निरीक्षण किया। निरीक्षण कर लाइन कार्यालय में कार्य कर रहे अधिकारी कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए । स्टोर शाखा का निरीक्षण कर शासकीय संपत्ति को ठीक से रखरखाव के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिया गये। वाहन शाखा का निरीक्षण कर वाहनों से संबंधित अभिलेखों का अवलोकन किया। पुलिस लाइन और थानों के समस्त वाहनों का निश्चित समयावधि में मेंटेनेंस कराते रहने का निर्देश दिया। वार्षिक निरीक्षण के दौरान रक्षित निरीक्षक केशव सिंह चौहान, सूबेदार आशीष तिवारी एवं पुलिस लाईन की शाखाओ में कार्यरत सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट अनिवार्य रूप से लगवाए : आरपी मिश्रा

यातायात पुलिस द्वारा चलाया जा रहा जागरुकता अभियान

सिंगरौली। पुलिस अधीक्षक निवेदिता गुप्ता के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा एवं नगर पुलिस अधीक्षक पीएस परस्ते के मार्गदर्शन में यातायात पुलिस टीम के द्वारा शहर के चौराहो एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर यातायात नियमों की जागरूकता के तहत हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट लगाए जाने हेतु वाहन चालको एवं मालिकों को जागरुक किया जा रहा है। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं यातायात नियमों के प्रति आम जनता को जागरूक करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे

अभियान के तहत यातायात पुलिस टीम द्वारा सक्रियता से शहर के विभिन्न चौराहो जैसे माजन मोड़, इंदिरा चौक, अंबेडकर चौक, मस्जिद तिराहा, कालेज तिराहा,अमलोरी तिराहा, जयंत बस पड़ाव एवं अन्य सार्वजनिक स्थानो पर फ्लेक्स एवं बैनर लगाकर वाहन चालकों एवं मालिको को जागरूक करने के उद्देश से अभियान चलाया जार रहा एवं जागरुकता से संबंधित पंपलेट वितरित किये गये । सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय और परिवहन विभाग ने 1 अप्रैल 2019 से पहले बेचे गए वाहनों पर कलर कोडेड प्लेट लगाना अनिवार्य कर दिया है। सड़क परिवहन मंत्रालय के दिशा निर्देशों के अनुसार सभी वाहन मालिकों को 30 जून 2024 तक हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगवाना अनिवार्य है। वहीं यातायात थाना प्रभारी आरपी मिश्रा,एसआई अभिषेक पाण्डेय व यातायात टीम द्वारा जगह-जगह जागरुकता अभियान के तहत वाहन चालको को जागरुक किया जा रहा है।

अवैध रेत परिवहन करते ट्रैक्टर जब्त

सिंगरौली। सासन चौकी पुलिस ने अवैध रेत परिवहन करते ट्रैक्टर को जब्त किया है। यह कार्यवाही पुलिस अधीक्षक निवेदिता गुप्ता के निर्देशन पर सासन चौकी प्रभारी संदीप नामदेव ने की है। जानकारी के अनुसार पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई की ग्राम हरहवा रेड़ नदी से अवैध रेत लेकर जा रहा है। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम गठित कर ग्राम हररहवा तरफ रवाना किया गया पहुंचते ही ट्रैक्टर को रोका तो ड्राईवर ट्रैक्टर छोड़ के भाग गया। पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त करते हुए मामले को विवेचना में ले लिया है। उक्त कार्यवाही में उनि संदीप नामदेव, प्रआर हेमराज पटेल,राजू रावत,आर. जितेंद्र सिंह, आर ग्राजकुमार शाक्य,आर मुकेश पटेल की भूमिका रही।

गोड़गवां में आयोजित हुआ नशामुक्ति जन जागरुकता कार्यक्रम

सिंगरौली। पुलिस मुख्यालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस के परिपेक्ष्य में साप्ताहिक कार्यक्रम आयोजन कराए जाने के निर्देशो के पालन में पुलिस अधीक्षक निवेदिता गुप्ता द्वारा जिला स्तर पर विशेष नशा मुक्ति जन जागरुकता अभियान चलाये जाने हेतु निर्देशित किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा व समस्त राजपत्रित अधिकारी पुलिस के मार्गदर्शन में समस्त थाना प्रभारी व चौकी प्रभारियो के द्वारा नशा मुक्ति जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी तारतम्य में आज मंगलवार को नौडिहवा चौकी

प्रभारी उदयचंद करिहार द्वारा ग्राम गोडगंवा में नशामुक्ति जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में चौकी प्रभारी श्री करिहार ने नशा से संबंधित जानकारी ,नशे से होने वाली हानि,नशे से कैसे बचाव करें,नशे से आने वाली पीढ़ी एवं समाज को किस तरह से बचाए,इसके अलावा यातायात,साइबर क्राइम, फ्रॉड कॉल,बाल अपराध, महिला संबंधी अपराध आदि के संबंध में जानकारी दी गई है।

मोरवा थाने में मना अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, पुलिस कर्मियों ने किया योगाभ्यास

सिंगरौली

शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पूरे भारतवर्ष के साथ-साथ पूरे विश्व में धूमधाम से मनाया जा रहा है। सभी लोग योग दिवस पर स्वस्थ रहने के गुण सीख रहे हैं। इसी क्रम में मोरवा थाना परिसर में भी एसडीओपी कृष्ण कुमार पांडे एवं निरीक्षक कपूर त्रिपाठी के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सभी पुलिसकर्मियों को योगाभ्यास कराया गया व स्वस्थ कैसे रहें और अपने शरीर के रोग प्रतिशोधक क्षमता को कैसे बढ़ाएं इस पर प्रकाश डाला गया। इस दौरान सभी पुलिसकर्मियों को योग द्वारा अपने आप को स्वस्थ रखने के गुर बताए गए और सिर्फ आज ही नहीं वरन् प्रत्येक दिन योग करने के लिए उन्हें प्रेरित किया गया। इस अवसर पर नगर निगम के अधिकारी राजीव सिंह, पार्षद शेखर सिंह, आशीष गुप्ता समेत अरविंद तिवारी, पवन प्राप सिंह व अन्य गणमान्य नागरिक भी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग की खंडपीठ में बालको से संबंधित 177 प्रकरणों की हुई सुनवाई

सिंगरौली। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में सोमवार को सुबह से आकांक्षी ब्लाक देवसर अंतर्गत बच्चों के देखरेख एवं संरक्षण संबंधित विषयों पर किए जा रहे प्रयासों से संबंधित विभिन्न प्रकार के समस्याओं के समाधान हेतु बेंच का आयोजन किया गया। अपने उद्बोधन मे बेंच अध्यक्ष मेधा पवार सदस्य राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग नें कहा कि जिले के अनाथ,देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिये सतत प्रयास की जरुरत है । जिले के कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला ने बच्चों के संरक्षण के लिये जिले मे चलाये जा रहे प्रयासों के बारे मे विस्तार से बताया। बेंच में मुख्य रूप से बच्चों के आधार कार्ड,आयुष्मान कार्ड,बैंक खाते खोलने,दिव्यांग बच्चों के लिये मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रमाण पत्र जारी किया जाना इसके अलावा स्वास्थ्य, कुपोषण, आंगनबाड़ी, स्कूलों में बाउंड्रीवाल, बिजली कनेक्शन, पेयजल, शौचालय एवं भवन इत्यादि से संबंधित समस्याएं के प्रकरणों की सुनवाई की गई। इस दौरान विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के प्रकरण भी प्रस्तुत हुए जिन्हे श्रवण यंत्र प्रदान किये गये । बेंच के दौरान संबंधित विभागों द्वारा लगाए गए विभागीय स्टॉल द्वारा जारी किए गए। कार्यक्रम में विधिक सलाहकार देवेंद्र एवं अमित, सदस्य श्रीमती मेधा पवार, कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला,एएसपी शिव कुमार वर्मा,डपीओ राजेश राम गुप्ता,सीएमएचओ एनके जैन, एसीईओ अनुराग मोदी, रेड्क्रास सोसायटी से चेयरमैंन एसडी सिंह, सचिव डॉ डीके मिश्रा, बाल कल्याण समिति सदस्य आरती पाण्डे, आरडी पाडे, अखिलेश द्विवेदी सहित सैकडों की संख्या मे लोग उपस्थित रहे।

पुलिस ने अपहृता को दस्तयाब कर परिजनो को किया सुपुर्द

सिंगरौली

सरई पुलिस ने अपहृता को गजरहिया से दस्तयाब कर परिजनो को सुपूर्द कर दिया है। पुलिस अधीक्षक निवेदिता गुप्ता द्वारा दिये गये निर्देशो के पालन में जिला स्तरीय विशेष अभियान आपरेशन मुस्कान किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देशो के पालन में शिव कुमार वर्मा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ,राहुल कुमार सैयाम एसडीओपी देवसर के मार्गदर्शन में थाना सरई द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये टीम का गठन कर गुमशुदा बालिका को द्स्तयाब किया। जानकारी के अनुसार फरियादी ग्राम जट्टाटोला थाना में उपस्थित होकर रिपोर्ट लेख कराया कि मेरी लड़की उम्र 16 वर्ष की ग्राम फुलझर में रिस्तेदार के यहां घर पर निमंत्रण खाने गई थी निमंत्रण खाकर 18 जून को शाम को बस से वापस घर आ रही थी, जो बस गजराबहरा शाम करीबन 5 बजे आई थी। लेकिन मेरी लड़की जो गजराबहरा से घर आज दिनांक तक नही आईञ। उक्त रिपोट पर प्रकरण क़ायम कर अपहृता की तलाश की गई। जिसे 25 जून को सरई पुलिस द्वारा ग्राम गजहरिया अपहृता की मौसी के घर से दस्तयाब किया गया है। उक्त कार्यवाही में उनि मनोज सिंह,सउनि उपेन्द्र सिंह,आर बबलू यादव, ओम प्रकाश शर्मा की भूमिका रही।

किसान हमारे राष्ट्र की रीढ़ की हड्डी हैं : डॉ. विवेकानंद

आदर्श किसान के साथ आर्थिक सपन्न किसान बनाने के लक्ष्य पर हिंडालको महान की पहल

सिंगरौली। हिंडालको महान द्वारा ग्राम ओड़गड़ी में घरों में सब्जी की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा परिवार के पोषण का स्तर बढ़ाने के उद्देश्य से हिंडालको महान द्वारा उन्नत सब्जी बीज किट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साथ ही बागवानी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ग्राम ओड़गड़ी, बाघाडीह तथा उसके आस पास के किसानों को उन्नत किस्म के सब्जी बीजों का नि:शुल्क वितरण किया गया। जिसमें ओड़गड़ी, खेखड़ा, बड़ोखर, भलुगढ़, बाघाडीह तथा बरगंवा नगर परिषद के कई वार्ड के कुल 250 से ज्यादा किसानों को जिनके पास सिंचाई की पर्याप्त सुविधा के साथ बाड़ी के लिये

पर्याप्त जगह उपलब्ध है, उन्हे सब्जियों के उन्नत किस्म के बीज जैसे बरबटी ए बैंगन, करेला, भिंडी, नेनुआ, खीरा, लौकी का उन्नत किस्म बीज का किट वितरण किया गया। इस दौरान ग्राम ओड़गडी में हिंडालको महान के मानव संसाधन विभाग से विभाग प्रमुख डॉक्टर विवेकानंद मिश्रा एव मानव संसाधन विभाग से अर्चना ने सब्जियों की उन्नत पैदावार के संबध में जानकारी व किट प्रदान किये । कार्यक्रम का संचालन करते हुये सीएसआर विभाग से शीतल श्रीवास्तव ने किसानों के लिये सीएसआर विभाग द्वारा संचालित प्रोजेक्ट हरितकुंज द्वारा खेती को लाभ का धंधा बनाने के लक्ष्य को पूरा करने व योजनाओ से अवगत कराया। कार्यक्रम में मानव संसाधन प्रमुख डॉक्टर विवेकानंद मिश्रा ने किसानों को संबोधित करते हुये कहा कि किसान हमारे राष्ट्र की रीढ़ की हड्डी हैं। उन्हें नई तकनीकों और वैज्ञानिक विधियों का उपयोग कर सशक्त बनाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। किसान हमारे समाज का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, क्योंकि वे हमें खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराते हैं। उनकी मेहनत और समर्पण के बिना हमारी जीवनशैली संभव नहीं हो सकती। किसानों का जीवन कठिन और संघर्षमय होता है। उन्हें मौसम की अनिश्चितताओं, आर्थिक समस्याओं और कई अन्य चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसके बावजूद वे दिन-रात मेहनत करते हैं ताकि हमारी भोजन की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। किसानों का सशक्तिकरण देश की समृद्धि के लिए अत्यंत आवश्यक है। उनके अधिकारों की सुरक्षा और उनके जीवन स्तर में सुधार के लिए हमारा सीएसआर विभाग निरंतर प्रयास रत है। खेती किसानी में आने वाले कठिनाईयों के सबंध में किसानों द्वारा पूछे गये प्रश्नों पर हिंडालको महान की सीएसआर टीम द्वारा उचित मार्ग दर्शन दिया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में ग्राम पंचायत की उपसरपंच के साथ साथ समाजसेवी रंगलालविश्वकर्मा,सीएसआर, विभाग से धीरेंद्र तिवारी, अरविंद, देवेश,नरेंद्र, जियालाल, खलालू का विशेष योगदान रहा।

प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस बना संजय गांधी स्मृति शासकीय महाविद्यालय सीधी

खुलेंगे नए पाठ्यक्रम, 1 जुलाई को होगा दीक्षारंभ कार्यक्रम

सीधी। उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन ने उच्च शिक्षा के गुणवत्ता में सुधार, दक्षता में वृद्धि लाने तथा छात्र-छात्राओं को सरलता से रोजगार उपलब्ध हो इसके लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रदेश के 55 महाविद्यालयों को प्रधानमंत्री कालेज आफ एक्सीलेंस का दर्जा दिया है। प्रत्येक जिले के एक-एक महाविद्यालय को इसके लिए चुना गया है। सीधी जिले से यह उपलब्धि संजय गांधी स्मृति शासकीय महाविद्यालय को मिली है,जिसके उद्घाटन दीक्षारंभ कार्यक्रम की तैयारी चल रही है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ पी के सिंह ने जानकारी देकर बताया कि महाविद्यालय में कुछ नवीन पाठ्यक्रम भी संचालित होंगे जिनमें बायोटेक, मनोविज्ञान एवं कंप्यूटर साइंस इसी सत्र से स्नातक कक्षाओं में प्रारंभ हो रहा है, जबकि संस्कृत में स्नातकोत्तर की कक्षाएं इस वर्ष से संचालित होंगी, जिनके एडमिशन की प्रक्रिया चल रही है। साथ ही बीकॉम में नया पाठ्यक्रम रिटेल ऑपरेशन मैनेजमेंट भी प्रारंभ हो चुका है। बी.एड.एवं कृषि में स्नातक भी प्रारंभ करना है जिसकी शुरुआत करने की प्रारंभिक कार्यवाही चल रही है जो जल्द ही प्रवेश के लिए पोर्टल पर प्रदर्शित होगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं फिनटेक कोर्सेज से संबंधित डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी प्रारंभ किए जाएंगे। छात्र-छात्राओं की आवागमन की सुविधा के लिए 1 जुलाई से बस सेवा प्रारंभ की जावेगी जिसका प्रति दिवस का रूट निर्धारित होगा।

उन्होंने बताया कि महाविद्यालय में मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी का आउटलेट भी खुलेगा जिससे विद्यार्थियों को क्रय करने के लिए पुस्तक उपलब्ध होंगी। साथ ही भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित पुस्तकों की प्रदर्शनी भी लगेगी और समय-समय पर संगोष्ठी का भी आयोजन किया जाएगा। स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना अंतर्गत डिस्प्ले के माध्यम से प्रत्येक महीने की गतिविधियों को प्रदर्शित किया जाएगा जिससे विद्यार्थियों को समय पर सभी गतिविधियों की जानकारी हो सके एवं छात्र-छात्राएं उसमें अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर सकें।

निश्चित रूप से प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस मुख्यमंत्री जी का ड्रीम प्रोजेक्ट है जो मध्य प्रदेश को उच्च शिक्षा में शीर्ष पर ले जाएगा तथा जिसका लाभ छात्र-छात्राओं को मिलेगा। महाविद्यालय के शिक्षकों पर भी नए उत्तरदायित्वों के निर्वहन की जिम्मेदारी होगी और सभी के सहयोग से हम इस उद्देश्य को प्राप्त करेंगे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ पी.के. सिंह ने इन सभी उत्तरदायित्व के निर्वहन के लिए प्राध्यापकों की समितियां भी बना दी हैं। शासन के निर्देशानुसार उद्घाटन के पूर्व महाविद्यालय में रंगाई/पुताई, साफ-सफाई एवं मुख्य गेट का निर्माण तथा महाविद्यालय को हरा भरा बनाने के लिए विद्या वन का निर्माण किया जाना है जो सभी कार्य पीडब्ल्यूडी के माध्यम से किये जा रहे हैं। 1 जुलाई के पूर्व सभी कार्य पूर्ण कर लिए जाएंगे।

प्राचार्य डॉ सिंह ने सभी नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं से आग्रह किया है कि 1 जुलाई को दीक्षारंभ कार्यक्रम में सभी आवश्यक रूप से महाविद्यालय में उपस्थित हों जिससे महाविद्यालय के शिक्षकों, सभी विभागों एवं इंफ्रास्ट्रक्चर से उनका परिचय हो सके।

राजस्व अधिकारियों के लिए मासिक किराये पर वाहन उपलब्ध कराने निविदा आमंत्रित

सीधी। अपर कलेक्टर राजेश शाही ने निविदा विज्ञप्ति के माध्यम से सूचित किया है कि सीधी जिले में पदस्थ राजस्व अधिकारी एवं सत्कार शाखा के लिये वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 में मासिक किराये पर वाहन उपलब्ध कराने के लिए दिनांक 25.06.2024 से 18.07.2024 तक सायं 03 बजे तक मुहर बंद निविदाएं कार्यालय कलेक्टर सीधी में आमंत्रित की गई है। निविदा की शर्तें एवं निविदा फार्म तथा अन्य जानकारी कार्यालयीन समय में दिनांक 25.06.2024 से 18.07.2024 को अपरान्ह 02 तक अवकाश के दिनों को छोड़कर कार्यालय कलेक्टर सीधी नजारत शाखा से प्राप्त की जा सकती है। प्राप्त निविदा दिनांक 18.07.2024 को अपरान्ह 04 बजे कार्यालय कलेक्टर सीधी के सभाकक्ष में उपस्थित निविदा दाताओं के समक्ष खोली जावेगी।

विज्ञापन एवं शर्तें व आवेदन पत्र का प्रारूप इत्यादि का विवरण जिले के बेवसाइट एवं कार्यालय कलेक्टर नजारत शाखा से कार्यालयीन समय पर प्राप्त की जा सकती है।

महिला केन्द्रित विषयों पर 100 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान

सीधी। भारत सरकार मंत्रालय महिला एवं बाल विकास द्वारा संकल्प.हब फॉर एम्पॉवरमेंट ऑफ वूमेन दिनांक 21.06.2024 से 04.10.2024 तक महिला केन्द्रित विषयों पर 100 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान आयोजित किये जाने के निर्देश दिये गये है। परियोजना अधिकारी बाल विकास परियोजना द्वारा विभिन्न विभागों से समन्वय कर विभिन्न शिविरों, पंजीयन अभियान, सार्वजनिक बातचीत, कार्यशाला, सेमीनार जिला एवं ब्लॉक स्तर पर विशेष आऊटरीच साप्ताहिक गतिविधियों का आयोजन कैलेण्डर अनुसार किया जाना है।

कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, खण्ड चिकित्सा अधिकारी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद सीधी/नगर पंचायत परिषद चुरहट, रामपुर नैकिन एवं मझौली को निर्देशित किया है कि उक्त अभियान में परियोजना अधिकारी बाल विकास परियोजना को आवश्यक सहयोग प्रदान करें। गतिविधियों की साप्ताहिक रिपोर्ट्स फोटोग्राफ्स सहित ईमेल ,बकेपक/दपबणपद पर प्रेषित करें जिसे संकल्प हब फॉर एम्पॉवरमेंट ऑफ वूमेन डैशबोर्ड पर अपलोड कराया जा सके। उन्होंने निर्देशित किया है कि संकल्प हब फॉर एम्पॉवरमेंट ऑफ वूमेन अंतर्गत महिला केन्द्रित विषयों पर 100 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान समय बद्ध एवं प्रभावी तरीके से आयोजित कराने में आवश्यक सहयोग प्रदान करना सुनिश्चित करेंगे।

रोजगार मेले में 51 अभ्यर्थियों का हुआ चयन

सीधी। जिला रोजगार अधिकारी ने जानकारी देकर बताया है कि दिनांक 26.06.2024 को जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिला रोजगार कार्यालय सीधी द्वारा एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन शासकीय आई.टी.आई. सीधी में किया गया जिसमें ऑनलाइन 104 एवं ऑफलाइन 41 कुल 145 युवक एवं युवतियों ने अपना पंजीयन कराया जिसमें से 51 आवेदकों का प्राथमिक चयन किया गया। उन्होंने बताया कि प्रगतिशील एग्रोटेक प्रा.लि.मि. रीवा में 19, प्रधानमंत्री कौशल विकास केन्द्र सीधी में 13, एस.आई.एस. सिक्युरिटी सर्विसेज सिंगरौली में 07 एवं निप्पुन प्रा.लि.मि. औरंगाबाद में 12 युवक एवं युवतियों का चयन किया गया।

सीधी में जमोड़ी के अमरवाह में करंट लगने से खेत में काम कर रहे पिता-पुत्र की मौत

सीधी। करंट लगने से पिता-पुत्र की दर्दनाक मौत हो गई। घटना सोमवार सुबह सीधी जिले के जमोड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत अमरवाह गांव की है। पीएम के बाद शव स्वजन को सौंप दिया है। शाम के समय पिता- पुत्र दोनों का एक साथ अंतिम संस्कार किया गया। घटना के बाद से गांव में मातम पसरा हुआ है।

गिरेंद्र प्रसाद द्विवेदी पुत्र सुरेश द्विवेदी 40 वर्ष निवासी अमरवाह घर में बने बाउंड्रीवाल के अंदर धान डालने के लिए खेत तैयार कर रहे थे। उसी दौरान खेत में पहले से बिजली खंभा के जीआई तार के चपेट में आ गए। पिता को करंट में फंसते देख खेत में काम कर रहा बेटा शुभम द्विवेदी 20 वर्ष पिता को बचाने लगा। जैसे ही पिता को पकड़कर अपनी ओर खींचने लगा वह भी करंट की चपेट में आ गया। पिता की घटना स्थल में मौत हो गई। स्वजन शुभम को गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद से गांव में कोहराम मचा हुआ है। मां और घर वालों का रो-रो कर बुरा हाल है तो वहीं गांव के लोग बेहद दुखी है। चारों ओर सन्नाटा पसरा हुआ है। जमोड़ी थाना प्रभारी विशाल शर्मा ने बताया कि करंट लगने से पिता पुत्र की मौत हो गई है। पीएम के बाद शव स्वजन को सौंप दिया है।

म.प्र. पर्यटन क्विज प्रतियोगिता के लिए पंजीयन 08 जुलाई तक

सीधी। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के मार्गदर्शन में स्कूल शिक्षा विभाग एवं जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के संयुक्त तत्वाधान में जिला स्तरीय पर्यटन क्विज प्रतियोगिता 27 जुलाई को आयोजित होगी। जिले के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक के विद्यार्थियों को प्रदेश के समृद्धशाली इतिहास, परम्पराओं, ऐतिहासिक धरोहर, सांस्कृतिक विविधताओं, कला, प्राकृतिक समृद्धि, महापुरूषों, पर्यटन महत्व की सम्भावनाओं आदि से छात्रों को अवगत कराने तथा पर्यटन के माध्यम से जागरूक करने के उद्देश्य से पर्यटन क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

120 किलो महुआ लाहन एवं 10 लीटर अवैध हाथ भट्टी शराब जब्त

सीधी

कलेक्टर श्री स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशन में एवं जिला आबकारी अधिकारी श्री सत्येन्द्र सिंह परिहार के मार्गदर्शन में वृत्त सीधी के अंतर्गत अवैध शराब के संग्रहण एवं विक्रय की सूचना मिलने पर कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान गांव बड़ोस में जयसेन भुजवा के रिहायशी मकान से 15 किलो महुआ लाहन, गांव कुबरी में सुखलाल साकेत के रिहायशी मकान से 30 किलो महुआ लाहन, गांव कुबरी में दशोमत जायसवाल के रिहायशी मकान से 75 किलो महुआ लाहन व 10 लीटर हाथ भट्टी शराब बरामद कर मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (1) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया। आज की कार्यवाही में कुल 120 किलो महुआ लाहन एवं 10 लीटर अवैध हाथ भट्टी शराब बरामद किया जिसकी कुल कीमत 13500 रुपए हैं।

कार्यवाही के दौरान वृत्त प्रभारी सीधी आबकारी उप निरीक्षक श्री गोकुल प्रसाद मेघवाल, आबकारी प्रधान आरक्षक श्री श्यामबहादुर सिंह, आबकारी आरक्षक श्री गौरव उपाध्याय, श्री कमाल नारायण मौर्य, श्री संजय भारती, नगर सैनिक श्री राजबली शर्मा, अशोक तिवारी, श्रीमती मानती देवी का सराहनीय योगदान रहा।

धूमधाम से मनाया गया सीधी सिनेमा क्लब का प्रथम वर्षगांठ

सीधी। इंद्रवती नाट्य समिति, यूसीएन मास पब्लिक स्कूल और ट्रांसफ्रेम द्वारा सीधी सिनेमा क्लब के माध्यम से हर हफ्ते निःशुल्क और ज्ञानवर्धक फिल्में दिखाई जाती हैं जिसकी शुरुआत जून 2023 में हुई थी। सीधी सिनेमा क्लब के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन यूसीएन मास पब्लिक स्कूल में किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अभिनेत्री गीता अग्रवाल शर्मा थी। इसी अवसर पर नवनिर्मित अत्याधुनिक ऑडिटोरियम का उद्घाटन मुख्य अतिथि द्वारा किया गया। इस ऑडिटोरियम में नाटक और हर रविवार सीधी सिनेमा क्लब द्वारा निःशुल्क फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा जिसमे सभी लोग शामिल हो सकते हैं। इस विशेष कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन व बच्चों द्वारा योग प्रदर्शन के साथ हुई। इसके पश्चात यूसीएन मास पब्लिक स्कूल के निदेशक सूर्य प्रकाश सिंह द्वारा बच्चों के सलेबस से इतर छात्रों को दी गई अवेकस, भारतीय धर्म-संस्कृति, सामाजिक, राजनैतिक, वैज्ञानिक शिक्षा का प्रत्यक्ष प्रदर्शन किया। बच्चों के ज्ञान और कौशल को देख कर वहाँ मौजूद हर दर्शक चकित था। इसके उपरांत अभिनेत्री गीता शर्मा की लघु चार फिल्मों का प्रदर्शन किया गया जो सामाज,महिला और बच्चों से जुड़े मुद्दों पर आधारित थीं।

आपातकाल के दौरान देश में लोकतंत्र को समाप्त कर , कांग्रेस की इंदिरा गांधी सरकार ने देशवासियो का भरपूर किया दमन : डॉ राजेश

लोकसभा में आपातकाल एक काला अध्याय पर आया प्रस्ताव

सीधी। आपातकाल की विभीषिका पर लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने अपनी त्वरित प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि ये सदन 1975 में देश में आपातकाल (इमरजेंसी) लगाने के निर्णय की कड़े शब्दों में निंदा करता है। इसके साथ ही हम, उन सभी लोगों की संकल्पशक्ति की सराहना करते हैं, जिन्होंने इमरजेंसी का पुरजोर विरोध किया, अभूतपूर्व संघर्ष किया और भारत के लोकतंत्र की रक्षा का दायित्व निभाया।

सांसद डॉ.राजेश मिश्रा ने लोकसभा में परित आपातकाल के विषय में प्रस्ताव पर कहा कि भारत के इतिहास में 25 जून 1975 के उस दिन को हमेशा एक काले अध्याय के रूप में जाना जाएगा। इसी दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने देश में इमरजेंसी लगाई और बाबा साहब आंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान पर प्रचंड प्रहार किया था।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी सुरेंद्र मणि दुबे ने बताया कि नवनिर्वाचित सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने मीडिया से रूबरू होते हुए कहा की भारत की पहचान पूरी दुनिया में 'लोकतंत्र की जननी' के तौर पर है। भारत में हमेशा लोकतांत्रिक मूल्यों और वाद-संवाद का संवर्धन हुआ, हमेशा लोकतांत्रिक मूल्यों की सुरक्षा की गई, उन्हें हमेशा प्रोत्साहित किया गया। ऐसे भारत पर श्रीमती इंदिरा गांधी द्वारा तानाशाही थोप दी गई,

भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों को कुचला गया और अभिव्यक्ति की आजादी का गला घोंट दिया गया।

सांसद डॉ.राजेश मिश्रा ने कहा कि इमरजेंसी के दौरान भारत के नागरिकों के अधिकार नष्ट कर दिए गए, नागरिकों से उनकी आजादी छीन ली गई। इस दौरान देशभक्तों को आतंकवादियों जैसी यातनाएं दी गईं। ये वो दौर था जब विपक्ष के नेताओं को जेलों में बंद कर दिया गया, पूरे देश को जेलखाना बना दिया गया था। तब की तानाशाही सरकार ने मीडिया पर अनेक पाबंदियां लगा दी थीं और न्यायपालिका की स्वायत्तता पर भी अंकुश लगा दिया था। इमरजेंसी का वो समय हमारे देश के इतिहास में एक 'अन्याय काल' था, एक काला कालखंड था। आपातकाल (इमरजेंसी) लगने के बाद उस समय की कांग्रेस सरकार ने कई ऐसे निर्णय किए, जिन्होंने हमारे संविधान की भावना को कुचलने का काम किया। क्रूर और निर्दयी मेंटेनेंस ऑफ इंटरनल सेक्योरिटी एक्ट (मीसा) में बदलाव करके कांग्रेस पार्टी द्वारा ये सुनिश्चित किया गया कि हमारी अदालतें मीसा के तहत गिरफ्तार लोगों को न्याय नहीं दे पाएं। सांसद डॉ.राजेश मिश्रा ने कहा कि मीडिया को सच लिखने से रोकने के लिए पार्लियामेंट्री प्रोसिडिंग्स (प्रोटेक्शन ऑफ पब्लिकेशन) रिपील एक्ट, प्रेस काउंसिल (रिपील) एक्ट और प्रिवेन्शन ऑफ पब्लिकेशन ऑफ ऑब्जेक्शनेबल मैटर एक्ट लाए गए। इस काले कालखंड में ही संविधान में 38वां, 39वां, 40वां, 41वां और 42वां संशोधन किया गया। कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए इन संशोधनों का लक्ष्य था कि सारी शक्तियां एक व्यक्ति के पास आ जाएं, न्यायपालिका पर नियंत्रण हो और संविधान के मूल सिद्धांत खत्म किए जा सकें। सांसद डॉ.राजेश मिश्रा ने कहा कि ऐसा करके नागरिकों के अधिकारों का दमन किया गया और लोकतंत्र के सिद्धांतों पर आघात किया गया। इतना ही नहीं, तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने कमिटेड ब्यूरोक्रेसी और कमिटेड ज्यूडिशियरी की भी बात कही, जो कि उनकी लोकतंत्र विरोधी रवैये का एक उदाहरण है। सांसद डॉ.राजेश मिश्रा ने कहा कि इमरजेंसी अपने साथ ऐसी असामाजिक और तानाशाही की भावना से भरी भयंकर कुनीतियां लेकर आई, जिसने गरीबों, दलितों और वंचितों का जीवन तबाह कर दिया।

डकैती की योजना बनाते चार आरोपित गिरफ्तार, तलवार-बका, लोहे की राड और मिर्ची पाउडर बरामद

सीधी। डकैती की योजना बनाते चार युवकों को हथियार के साथ जमोड़ी पुलिस ने गिरफ्तार किया है वहीं एक पुलिस को चकमा देकर भागने में सफल रहा है। इनके पास से तलवार, बका, लोहे की राड और मिर्ची पाउडर मिले हैं। पुलिस ने आरोपित के विरुद्ध मामला पंजीबद्ध कर जांच कर रही है।

आरोपित पर अगल अलग-अलग थाना में पूर्व से ही हत्या,डकैती,चोरी एवं मारपीट सहित कई अपराध पंजीबद्ध है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक डॉ रवींद्र वर्मा के निर्देशन में जमोड़ी चौकी प्रभारी विशाल शर्मा टीम ने किया।

थाना प्रभारी जमोड़ी ने बताया कि पनवार हवाई पट्टी के पास आम के पेड़ के पास 5-6 लोग घातक हथियार लेकर बैठकर डकैती डालने की योजना बना रहे हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी दो अलग-अलग टीम गठित कर रवाना किया।

पहली पार्टी दक्षिण पश्चिम दिशा तरफ से तथा दूसरी पार्टी उत्तर पूर्व दिशा तरफ बताए स्थान आम के पेड़ के पास चारों ओर से पुलिस ने घेराबंदी करते हुए बदमाशों के नजदीक पहुंचे, जिनके आपस में चर्चा करते हुए सुना।

पुलिस ने चारों तरफ से बदमाशों को घेर लेने के बाद बदमाशों के ऊपर टार्च की रोशनी देकर आत्म-समर्पण की चेतावनी दी। जिसे सुनते ही बदमाश भागने लगे। जिन्हें पुलिस द्वारा घेराबंदी कर मौके पर ही 4 बदमाशों को पकड़ लिया गया। आरोपित ने अपना नाम सत्यम सिंह उर्फ अभिषेक सिंह चौहान 23 वर्ष निवासी शिवपुरवा थाना कोतवाली, अभय प्रताप सिंह बघेल 21 वर्ष निवासी कठार चौकी सेमरिया थाना चुरहट, भोलू उर्फ अमन सिंह चौहान 21 वर्ष निवासी नौढ़िया, संतोष कुमार जायसवाल 36 वर्ष निवासी कतरवार चौकी मड़वास थाना मझौली का बताया। फरार बदमाश का नाम राहुल सिंह गहरवार निवासी पावा दुअरा है।

सत्यम सिंह उर्फ अभिषेक सिंह की तलाशी लेने पर दो पैकेट लाल मिर्ची पाउडर, भोलू उर्फ अमन सिंह से बका, संतोष जायसवाल से तलवार तथा मोटरसाइकल, अभय प्रताप सिंह से लोहे का राड मिली है। राहुल लोहे की सरिया एवं मोटर साइकल छोड़कर फरार हो गया। भागे आरोपित राहुल सिंह गहरवार को गिरफ्तार करने के लिए अलग से टीम लगाई है। समस्त कारवाई में थाना प्रभारी जमोड़ी उनि विशाल शर्मा, सउनि सुरेश प्रताप सिंह, सियाशरण वर्मा, गोविन्दलाल साकेत, प्र.आर. राजीव यादव, लछ्छू प्रसाद विश्वकर्मा, आर. राजू यादव, सतीश तिवारी का सराहनीय योगदान रहा।

कार्यालय वन मण्डलाधिकारी, वन मण्डल सीधी,जिला सीधी म.प्र.

कोतवाली रोड सीधी, जिला सीधी 486661 (मध्य प्रदेश) E-mail :- dfo.sdh@mp.gov.in

ई-निविदा क्र./मण्डल/ 4352 दिनांक- 14/06/ 2024

ई-निविदा सूचना

वन मण्डल सीधी अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में शासकीय निर्माण एवं वानिकी कार्य में उपयोग हेतु निर्माण सामग्री प्रदाय ई निविदा MP tender portal पर आमंत्रित है

निविदा कार्य - शासकीय निर्माण एवं वानिकी कार्य में उपयोग हेतु निर्माण सामग्री प्रदाय
एम.पी. टेंडर क्रमांक - 2024_MPFD_351106_1

Publish Date	14-06-2024 05:30PM	Bid Submission Start Date	17-06-2024 10AM
Document Download / Sale Start Date	17-06-2024 10AM	Bid Submission End Date	28-06-2024 03PM
Document Download / Sale End Date	28-06-2024 03PM	Bid Opening Date / Place	29-06-2024 03PM

- इच्छुक व्यापारी गण / संस्था ई निविदा संबंधी संपूर्ण जानकारी www.mptenders.gov.in वेबसाइट पर प्राप्त करें। निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/ डेबिट/ कैश कार्ड/ इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र प्राप्त हो सकेगा।
- निविदा कारों को नियमानुसार पंजीकृत होना अनिवार्य है। निविदा प्रपत्र शुल्क एवं EMD राशि ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त की जाएगी। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जाएगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जाएगा। निविदा से संबंधित समस्त जानकारी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से प्राप्त की जा सकेगी।

वन मण्डल अधिकारी
वन मंडल सीधी (म.प्र.)

जी-12405/24

संपादकीय

18वीं लोकसभा- बड़ी हैं चुनौतियां

सोमवार को 18वीं लोकसभा के पहले सत्र की शुरुआत हो गई। हालांकि शुरुआती दो दिन सांसदों के शपथ ग्रहण की औपचारिकता ही होनी है, लेकिन फिर भी दोनों पक्षों के तेवर पहले ही दिन से यह संकेत दे रहे हैं कि न तो विपक्ष इस बार सदन में अपनी ताकत दिखाने का कोई मौका चूकना चाहता है और न ही सत्ता पक्ष उसे हलके में लेने के मूड में है। वैसे संख्या बल में जो भी थोड़ी-बहुत कमी रह गई हो, तथ्य यह है कि 17वीं लोकसभा में भी विपक्ष ने विरोध की डिग्री में कोई कमी नहीं रहने दी थी। यह बात सदन के अंदर और बाहर विपक्ष के हंगामे, वॉकआउट, धरना-प्रदर्शन वगैरह में ही नहीं, सदन से विपक्षी सांसदों के निलंबन जैसी कार्रवाइयों में भी झलकती रही। बेशक इन सब पर पक्ष और विपक्ष का अपना अलग रुख है, उसके पीछे उनकी अपनी दलीलें भी हैं, लेकिन एक स्तर पर देखा जाए तो यह एक धड़कते, जिंदा लोकतंत्र की ज्वलंत निशानी भी मानी जाएंगी। विपक्ष की कमजोरी- बावजूद इसके, पिछली लोकसभा में कई मामलों में सत्ता पक्ष के सामने विपक्ष की कमजोरी भी दर्ज होती रही। पिछले करीब दस साल सदन में नेता प्रतिपक्ष की जगह खाली रही। 17वीं लोकसभा में तो कोई डेप्युटी स्पीकर भी नहीं बनाया गया और विपक्ष सरकार को इसके लिए मजबूर नहीं कर सका। विपक्ष का मनोबल हुआ है। इस पृष्ठभूमि में 18वीं लोकसभा में विपक्षी सदस्यों की बढ़ी हुई संख्या उनके मनोबल और आत्मविश्वास को बढ़ाए हुए है। पहले दिन ही सदन के बाहर संविधान हाथ में लिए प्रदर्शन करते विपक्षी सांसदों ने यह संकेत दिया कि वे सरकार पर दबाव बनाने का कोई मौका इस बार नहीं चूकना चाहते। दूसरी ओर सत्ता पक्ष भी अपने गठबंधन की मजबूती को कम समझने वालों के सारे भ्रम दूर करते चलने को कृत संकल्प दिख रहा है।

आपातकालः भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का काला अध्याय

भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में 25 जून 1975 को लागू किया आपातकाल एक काले अध्याय के रूप में जुड गया है। इस दिन भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार ने आपातकाल के प्रावधानों के तहत हजारों विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया था। भारतीय लोकतंत्र में कांग्रेस पार्टी आपातकाल के कलंक से कभी मुक्त नहीं हो सकती।

● डॉ. मोहन यादव

कांग्रेस शासन पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए विपक्षी दलों द्वारा बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के कारण देश की कानून व्यवस्था की स्थिति खराब होने का बहाना बनाते हुए इंदिरा गांधी सरकार ने आपातकाल लगाया था। इंदिरा गांधी ने तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद को 25 जून 1975 से 21 मार्च 1977 तक 21 महीने की अवधि के लिए हर छह महीने में आपातकाल लगाने के लिए कहा था।

आपातकाल के दौरान, इंदिरा गांधी ने खुद को सर्वशक्तिमान के रूप में स्थापित किया था। उन्होंने पार्टी के कुछ करीबी सदस्यों और अपने छोटे बेटे संजय गांधी के परामर्श से कई सारे निर्णय लिए जिसका भारत के सामाजिक तानेबाने पर दूरगामी प्रभाव पड़ा।

आपातकाल को अक्सर स्वतंत्र भारत के इतिहास में एक काला दौर माना जाता है। इस अवधि में बेलगाम सरकारी कैद, असहमति को दबाना और नागरिक स्वतंत्रता पर सरकारी दमन की घटनाएं हुईं। मानवाधिकारों के लगातार उल्लंघन और प्रेस पर दमनकारी हद तक सेंसरशिप की खबरें आती रहीं। आपातकाल के दौरान मौलिक अधिकारों के निलंबन को पर्यवेक्षकों और संवैधानिक विशेषज्ञों द्वारा चिंता के साथ याद किया जाता है।

दरअसल आपातकाल की बुनियाद 1967 के गोलकनाथ मामले से ही पड़ गई थी। गोलकनाथ मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि यदि परिवर्तन मौलिक अधिकारों जैसे बुनियादी मुद्दों को प्रभावित करते हैं तो संसद द्वारा संविधान में संशोधन नहीं किया जा सकता है। इसके बाद इस निर्णय को निष्प्रभावी करने के लिए, सरकार ने 1971 में 24वाँ संशोधन पारित किया। सर्वोच्च न्यायालय में सरकार द्वारा तत्कालीन राजकुमारों को दिए गए प्रिवी पर्स के मामले में भी इंदिरा गांधी की किरकिरी हुई थी।

न्यायपालिका-कार्यपालिका की यह लड़ाई ऐतिहासिक केशवानंद भारती मामले में जारी रही, जहां 24वें संशोधन पर सवाल उठाया गया था। 7-6 के मामूली बहुमत के साथ, सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने संसद की संशोधन शक्ति को यह कहते हुए प्रतिबंधित कर दिया कि इसका उपयोग संविधान के मूल ढांचे को बदलने के लिए नहीं किया जा सकता है। इंदिरा गांधी को यह नागवार लगा और उन्होंने केशवानंद भारती मामले में अल्पमत में शामिल लोगों में सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश ए.एन. रे को भारत का मुख्य न्यायाधीश बनाया।

न्यायपालिका को नियंत्रित करने की इंदिरा गांधी की प्रवृत्ति की प्रेस और जयप्रकाश नारायण (जेपी) जैसे राजनीतिक विरोधियों ने कड़ी आलोचना की। जयप्रकाश नारायण ने देश में घूम-घूम कर इंदिरा सरकार के खिलाफ रैलियां की और कुछ राज्यों में छात्रों ने आंदोलन भी किये।

इस बीच, सार्वजनिक नेताओं पर हत्या के प्रयास हुए और साथ ही तत्कालीन केन्द्रीय रेल मंत्री ललित नारायण मिश्रा की बम से हत्या कर दी गई। इन सभी बातों से पूरे देश में कानून और व्यवस्था की समस्या बढ़ने का संकेत मिलने लगा, जिसके बारे में इंदिरा गांधी के सलाहकारों ने उन्हें महीनों तक चेतावनी दी थी। इसके बाद मामले को हाथ से निकलता देख इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लगाने का फैसला किया। कांग्रेस पार्टी का यह फैसला देश की लोकतंत्र के लिए घातक सिद्ध हुआ और इसे एक काला दिन के रूप में याद किया जाने लगा।

18 वीं लोकसभा के पहले दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आपातकाल को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला किया और आपातकाल की घोषणा को भारत के लोकतंत्र पर एक काला धब्बा बताया। 18वीं लोकसभा के पहले सत्र से पहले मीडिया को संबोधित करते हुए देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने कहा, कल 25 जून है। 25 जून को भारत के लोकतंत्र पर लगे उस कलंक के 50 साल हो रहे हैं। भारत की नई पीढ़ी कभी नहीं भूलेगी कि भारत के संविधान को पूरी तरह से नकार दिया गया था, संविधान के हर हिस्से की धज्जियां उड़ा दी गई थीं, देश को जेलखाना बना दिया गया और लोकतंत्र को पूरी तरह से दबा दिया गया था। उन्होंने कहा, अपने संविधान की रक्षा करते हुए, भारत के लोकतंत्र की, लोकतांत्रिक परंपराओं की रक्षा करते हुए, देशवासी यह संकल्प लेंगे कि भारत में फिर कोई ऐसा करने की हिम्मत नहीं करेगा जो 50 साल पहले किया गया था। हम एक जीवंत लोकतंत्र का संकल्प लेंगे। हम भारत के संविधान के निर्देशों के अनुसार आम लोगों के सपनों को पूरा करने का संकल्प लेंगे।

18वीं लोकसभा के चुनाव की घोषणा होने के बाद कांग्रेस पार्टी के प्रमुख मुद्दों में से एक संविधान बचाने का मुद्दा था। जिसे पार्टी आज भी जोर शोर से उठा रही है। विडंबना ये है कि जिस कांग्रेस ने संविधान में सैकड़ों संशोधन किए, उसके मूल ढांचे में संशोधन किए वह पार्टी आज संविधान बचाने की बात कर रही है। जिस भारतीय जनता पार्टी की पूरी राजनीति संविधान में दिए गए प्रावधान के तहत समाज के गरीबों, महिलाओं, वंचितों और दलितों की उत्थान के लिए है आज उस बीजेपी पर संविधान की दुर्दशा करने वाली कांग्रेस पार्टी आरोप लगा रही है।

देश के महानायक प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कई बार इस बात का जिक्र किया है कि भारत की आत्मा बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के संविधान में बसती है और इसे संसद भी नहीं बदल सकता। इसके बाद भी कांग्रेस पार्टी द्वारा गलत अवधारणा फैला कर जनता को बरगलाने का काम किया जा रहा है। लोकसभा चुनावों में जनता कांग्रेस और उनके साथियों के झांसे में आ गई थी, लेकिन विपक्षी पार्टियों की काठ की यह हांडी बार बार नहीं चढ़ेगी।

(लेखक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री है)

आरपार के मूड में विपक्ष, स्पीकर ही नहीं डेप्युटी पर भी है रस्साकशी

(दयाशंकर शुक्ल सागर)

हालात इतने असहज नहीं होते अगर एनडीए सरकार ने अपने पिछले कार्यकाल में विपक्ष के किसी सांसद को डेप्युटी स्पीकर बनाने पर सहमति दे दी होती। 17वीं लोकसभा देश की पहली और अकेली लोकसभा थी, जिसमें कोई डेप्युटी स्पीकर नहीं रहा। 2019 के चुनावी नतीजों से विपक्ष इतना हताश था कि भाजपा के सांसद, ओम बिरला बिना किसी शोर-शराबे के आसानी से लोकसभा स्पीकर चुन लिए गए। मगर डेप्युटी स्पीकर का पद खाली रहा।

विपक्ष के बदले तेवर: इस बार हालात और विपक्ष के तेवर बदले हुए हैं। उसने शर्त रख दी है कि अगर सरकार किसी विपक्षी नेता को डेप्युटी स्पीकर बनाने पर सहमत नहीं होती है तो विपक्ष लोकसभा स्पीकर पद के लिए चुनाव लड़ सकता है। यह स्थिति सरकार के लिए असहज होगी क्योंकि अगर विपक्ष ने लोकसभा स्पीकर पद के लिए अपना कोई उम्मीदवार मैदान में उतारा तो यह आजाद भारत के संसदीय इतिहास में अनोखी और दुर्लभ घटना होगी। यहां स्पीकर का चयन आम सहमति से होता रहा है।

प्रोटोकॉल लिस्ट में छठा स्थान: भारत में लोकतांत्रिक संसदीय प्रणाली वेस्टमिंस्टर मॉडल पर चलती है। इस प्रणाली में लोकसभा स्पीकर को सबसे महत्वपूर्ण दर्जा दिया गया है। सदन में स्पीकर के पास अभूतपूर्व अधिकार हैं। वह संसद का मुखिया होता है। सभी संसदीय मामलों में उसका फैसला आखिरी होता है। देश में संवैधानिक पदों की प्रोटोकॉल लिस्ट में स्पीकर को भारत के मुख्य न्यायाधीश के साथ यानी छठे रैंक पर रखा गया है।

विपक्ष का विश्वास अहम: स्पीकर चुनने के लिए सदन का साधारण बहुमत काफी है। इसलिए किसी सरकार को पसंद का स्पीकर चुनने में कोई मुश्किल नहीं होती। लेकिन संसद के सुचारू संचालन के लिहाज से यह बात अच्छी मानी जाती है कि स्पीकर को पक्ष और विपक्ष दोनों का विश्वास हासिल रहे। यही वजह है कि भारत में सत्तारूढ़ और विपक्षी पार्टियां, इस मसले पर टकराव के बजाय मेलजोल से रास्ता निकालना बेहतर समझती रही हैं।

बाध्यता नहीं: डेप्युटी स्पीकर या 'सेकेंड चेयर' विपक्ष की दुखती रग है जिसके लिए वह पिछले पांच साल से परंपरा के नाम पर लड़ रहा है। परंपरा यह जरूर रही है कि डेप्युटी स्पीकर का पद विपक्ष को दिया जाए, लेकिन सरकारें इसके लिए कभी बाध्य नहीं रहीं। अतीत में कई ऐसे मौके आए जब स्पीकर और डेप्युटी स्पीकर दोनों सत्तारूढ़ दल के चुने गए। पचास और साठ के दशक में कांग्रेस ने कई सालों तक अपनी ही पार्टी के सांसद को डेप्युटी स्पीकर बनाया।

कोई समयसीमा नहीं: संविधान का अनुच्छेद 93 कहता है कि 'लोकसभा जितनी जल्दी हो सके अपने दो सदस्यों को स्पीकर और डेप्युटी स्पीकर चुनेगी और जब कभी स्पीकर या डेप्युटी स्पीकर का पद रिक्त हो जाए, सदन किसी अन्य सदस्य को, जरूरत के मुताबिक स्पीकर या डेप्युटी स्पीकर चुन लेगा।' चूंकि संविधान में कोई स्पष्ट समयसीमा तय नहीं है इसलिए बीते पांच साल लोकसभा में कोई डेप्युटी स्पीकर नहीं चुना गया।

ओढ़ ली चुप्पी: लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने स्पीकर ओम बिरला को चुनाव या सर्वसम्मति से प्रक्रिया शुरू करने के लिए पत्र लिखा था। लेकिन बिरला इस पर सार्वजनिक टिप्पणी करने से बचते रहे। भाजपा भी चुप्पी साधे रही। मामला सुप्रीम कोर्ट तक गया। देश के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अगुआई वाली पीठ ने एक जनहित याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा, जिसमें कहा गया था कि 19 जून, 2019 को गठित 17वीं लोकसभा के लिए डेप्युटी स्पीकर का चुनाव नहीं करना 'संविधान की मूल भावना के खिलाफ' है। मगर अब 18वीं लोकसभा गठित हो चुकी है। देखा जाए तो यहां परंपरा और संविधान दोनों का अतिक्रमण हुआ।

संसद का सत्र: 18वीं लोकसभा का पहला सत्र 24 जून से शुरू हो गया। 26 जून को नए स्पीकर का चुनाव होना है। इस बार मोदी सरकार सही मायनों में गठबंधन के नाजुक धागों से बंधी है। टीडीपी और जेडीयू,एनडीए सरकार की दो बैसाखियां हैं। फिलहाल इनके तेवर नरम हैं लेकिन जैसी खबरें आ रही हैं कि टीडीपी चीफ चंद्रबाबू नायडू और जेडीयू नेता नीतीश कुमार चाहते हैं कि उनके दल का कोई सांसद स्पीकर या डेप्युटी स्पीकर बने।

दूध की जली बीजेपी: ध्यान रहे, गठबंधन के दबाव में 1998 में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार को टीडीपी का स्पीकर बनाना पड़ा था। तब स्पीकर के ही एक फैसले के कारण सिर्फ एक वोट से अटल सरकार गिर गई थी। ऐसे में दूध की जली भाजपा कभी नहीं चाहेगी कि स्पीकर पद किसी और के पास रहे। अगर कोई दबाव नहीं रहा तो ओम बिरला भाजपा की पहली पसंद होंगे। उन्हें कैबिनेट मंत्री या कोई और पद न दिए जाने के कारण संदेश गया है कि सरकार उन्हें बतौर स्पीकर रिपीट करना चाहती है। स्पीकर पद की दौड़ में अमलापुरम से पहली बार टीडीपी सांसद बने जीएम हरीश बालयोगी और भाजपा सांसद डी पुरंदेश्वरी का नाम भी चर्चा में है। स्पीकर के चुनाव के बाद ही डेप्युटी स्पीकर के चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी। असल सियासी खेल तब शुरू होगा। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

सुडोकू पहेली

क्रमांक- 5412

	9	6		4			3	
	5	7	8	2				
1			9			5		
		9		1				8
5								2
4				9		6		
		4			3			1
				7	9	2	6	
	2			5		9	8	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5411

2	3	5	6	4	7	9	8	1
1	8	9	5	3	2	4	7	6
7	4	6	8	9	1	2	5	3
4	5	1	9	7	8	3	6	2
3	6	8	1	2	5	7	9	4
9	7	2	3	6	4	5	1	8
6	9	7	4	1	3	8	2	5
8	1	3	2	5	9	6	4	7
5	2	4	7	8	6	1	3	9

कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े नियम जापान जैसे बनने चाहिए

(जसप्रीत बिंद्रा, तकनीक विशेषज्ञ)

साल 1991 में भारत ने अपने पूर्वी पड़ोसियों और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ व्यापक आर्थिक और सामरिक संबंध बनाने के लिए 'लुक ईस्ट पॉलिसी' यानी 'पूर्व की ओर देखो नीति' बनाई थी, जो पश्चिम पर निर्भरता संबंधी पुरानी सोच से अलग थी। भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता, यानी एआई वाले इस दौर में यह विचार कर रहा है कि इस ताकतवर नई तकनीक को उसे कैसे बढ़ावा देना चाहिए और किस तरह इससे जुड़े नियम बनाने चाहिए, क्योंकि एआई हमारे उद्योग, समाज और भू-राजनीति को नया रूप दे सकती है। निस्संदेह, एआई से बड़े आर्थिक और सामाजिक लाभ मिलने की उम्मीद है, पर कॉपीराइट, मानवाधिकार हनन, निजता व निष्पक्षता से जुड़ी आशंकाएं भी कायम हैं। लिहाजा सवाल उठ रहे हैं कि एआई को नियमों के अधीन करने के लिए हमें क्या करना चाहिए?

मेरा मानना है कि भारत को पूर्व की ओर देखना चाहिए और जापान से सीखना चाहिए, जो ऐसे नियम बना रहा है, जिसमें नवाचार का माहौल बनाने के साथ-साथ सुरक्षित एआई के प्रयोग पर जोर दिया जा रहा है। उसकी नजर में एआई ऐसा प्रेरक है, जो नवाचार और तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र में दशकों से आए ठहराव को दूर कर सकती है। 2047 तक 'विकसित भारत' बनने के लिए हम भी एआई से इसी तरह मदद ले सकते हैं। दरअसल, जापान ने 2023 के जी-7 शिखर सम्मेलन का फायदा उठाया, जिसमें 'हिरोशिमा एआई प्रोसेस' (एआई सिस्टम बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय नियमन को बढ़ावा देने वाला फ्रेमवर्क) द्वारा एआई को विनियमित करने के लिए प्रावधान बनाने पर जोर दिया गया। इसमें दो दृष्टिकोण सामने आए- पहला, यूरोपीय संघ या चीन के नियमों की तरह सख्त कानून बनाया जाए, और दूसरा, पारंपरिक सिद्धांतों और निगरानी को दरकिनार करके अपेक्षाकृत नरम कानून बनाना। जापान ने दूसरा नजरिया चुना।

स्टेलेनबोश यूनिवर्सिटी की इंगे ओडेन्डाल ने अपने शोध-पत्र में उसके प्रयासों के बारे में बताया है। इनमें पहला है, सरकार का सुविधा-प्रदाता के रूप में काम करना- जापान की सरकार नवाचार से जुड़े प्रयासों को अपनी मुट्ठी में कैद करने के बजाय उसके लिए सुविधा मुहैया कराने वाली संस्था बनना पसंद करती है। वह निजी क्षेत्र को अगुवा मानती है और अपने विभागों को उनकी मदद के लिए सक्रिय रहने को कहती है। हम भी ऐसा कर सकते हैं। हमारी सरकार को निजी क्षेत्र को केंद्र में रखना चाहिए और तमाम मंत्रालयों के माध्यम से सहयोगी भूमिका निभानी चाहिए। दूसरा है, वित्तपोषण और निवेश पर ध्यान- जापान ने जेनरेटिव एआई, घरेलू डाटा सेंटर और स्थानीय चिप उत्पादन के लिए एक बड़ा कोष बनाया है। इससे तकनीकी कंपनियों के साथ साझेदारी में प्रोत्साहन व सब्सिडी प्रदान की जाती है। भारत में भी इस तरह का कोष है, जो इंडिया एआई योजना के तहत बना है। मगर अंतर यह है कि इसका उपयोग प्रसंस्करण इकाइयों की खरीद पर अधिक हो रहा है, न कि जापान की तरह नवाचार पर। तीसरा है, सरकार, अकादमिक और उद्योग में सामंजस्य- 'एआई जापान आरऐंडडी नेटवर्क' देश के तमाम विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों, निजी क्षेत्र व वैश्विक तकनीकी कंपनियों के साथ मिलकर एआई शोध और कंपनियों से जुड़ी नीतियों की सिफारिश करता है। भारत भी कुछ ऐसा ही कर रहा है।

आज का राशिफल

मेष

आज भाग्य का साथ मिलेगा और आज आपका दिन शुभ होगा। आज का दिन महत्वाकांक्षी प्रकृति वालों के लिए शुभ होगा और आपको शुभ फल प्राप्त होंगे। यात्रा लाभप्रद होगी। दोपहर बाद उच्चाधिकारी से विवाद हो सकते हैं और आपके जीवन में समस्या बढ़ सकती है।

वृषभ

आज का दिन परेशानी और समस्या वाला हो सकता है। आज किसी मामले में आपकी अधिकारियों से अनबन हो सकती है। आपको शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी और आपके कार्य सफल होंगे। आपको घर गृहस्थी के उपयोग की कोई प्रिय वस्तु खरीद सकते हैं और सुविधाएं बढ़ेंगी।

मिथुन

आज का दिन परेशानी और समस्या को बढ़ाने वाला माना जा रहा है। आज किसी मामले में फैसला करने से पहले सतर्क रहें। राजनीतिक गतिविधियों में भी रुकावट आ सकती हैं। कोई भी काम बहुत सोचकर करें।

कर्क

आज दिन शुभ है और आज आपका भाग्योदय होगा। आपको कारोबार और व्यापार में लाभ होगा और बेहतर होगा कि समझदारी से काम लें। अच्छे कार्य में आपकी रुचि रहेगी और आपको काफी कुछ सीखने को मिलेगा।

सिंह

आज करियर के मामले में मिलेजुले फल देने वाला रहेगा और आज आपके घर में शुभ कार्यक्रम होने के योग हैं और आज समाज में आपकी बेहतर छवि बनेगी। आपको पदोन्नति के अवसर मिलेंगे और सम्?मान में वृद्धि होगी।

कन्या

आज लाभ के योग हैं और आपको उत्तम संपत्ति की प्राप्ति के योग हैं। आपकी मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी और कारोबार में योजनाएं सफल होंगी। उत्तरदायित्व बढ़ने से कुछ असहज स्थिति उत्पन्न हो सकती है, घबराएं नहीं और खुद पर नियंत्रण रखें।

तुला

आज भाग्य में वृद्धि के योग है। सांसारिक सुख में वृद्धि होगी और सफलता प्राप्त होगी। आपको सहयोग और सानिध्य मिलेगा। व्यवसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। आपकी मान प्रतिष्ठा की वृद्धि होगी। शाम से लेकर रात तक शुभ योग हैं। किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है।

वृश्चिक

आज करियर में सफलता मिलने के योग हैं और आपके सम्मान में वृद्धि होगी और किस्मत आपका साथ देगी। आपको हर कार्य में आत्मसंतुष्टि प्राप्त होगी और पैसों के मामले में किसी पर भरोसा न करें। आपकी सुविधाओं में वृद्धि होगी और सांसारिक सुख की प्राप्ति होगी।

धनु

आज करियर के मामले में लाभ होगा। आप अपने धैर्य और मृदु व्यवहार से वातावरण को हल्का करने में कामयाब होंगे। प्रिय व्यक्ति की मदद करने से आपके मन को सुकून होगा। रात का समय आनंद में बीतेगा। आपके लिए धन में वृद्धि के योग हैं और आपको सफलता प्राप्त होगी।

मकर

आज लाभ होगा। किसी नई डील से अचानक धन लाभ होगा। घर में पत्नी या किसी संतान की अचानक तबीयत खराब होने से टेंशन हो सकती है। किसी महत्वपूर्ण कार्य को करते समय या गाड़ी चलाते समय तनावा को हावी न होने दें। मित्रों के ऊपर आंख बंद करके भरोसा न करें। जोखिम के काम से दूर रहें।

कुंभ

आज किसी महान सफलता से हर्ष होगा। बड़ी मात्रा में रुपया हाथ में आ सकता है। दिन के उत्तरार्द्ध में काफी दिन से चल रही समस्या का अंत होगा और आपको लाभ होगा। कहासुनी को बातचीत से सुलझा लें तो आपको लाभ होगा। रात का वक्त आराम से परिवार के साथ बिताएं तो आपके लिए सुख समृद्धि के योग बने हैं।

मीन

आज आपका दिन अच्छा है, जिन यंगस्टर्स ने अभी अपने करियर की शुरुआत की है, उन्हें आज अपने ऑफिस में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में मान प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शाम को कारोबार में सफलता प्राप?त होगी और धन में वृद्धि के योग हैं। आपका भाग्य साथ देगा।

संक्षिप्त समाचार

राजस्थान में कांग्रेस का खेल बिगाड़ेंगी मायावती, उप चुनाव लड़ने का ऐलान

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान की पांच विधानसभा उप चुनाव में बसपा अपने उम्मीदवार खड़ा करेगी। बसपा प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह बाबा ने कहा कि पार्टी नगर निकाय चुनाव भी लड़ेगी। जिससे ग्रासरूट पर कार्यकर्ता तैयाह हो सके। भगवान सिंह बाबा ने कहा कि मायावती की अध्यक्षता में हाल ही में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। राजस्थान में 5 सीटों पर विधायक अब सांसद बन चुके हैं, जिसके बाद 5 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव का ऐलान होनेवाला है। उपचुनाव के लिए अलग-अलग पार्टियां तैयारियों में जुट चुकी है। इस बीच कांग्रेस ने भी अपनी कमर कस ली है। बता दें 5 विधानसभा सीटों में से तीन सीटों पर कांग्रेस के विधायक सांसद पहुंचे हैं। जबकि एक सीट पर आरएलपी और एक सीट पर बीएपी के विधायक सांसद बने हैं। ऐसे में कांग्रेस अपनी जीती हुई सीट को हाथ से निकलने नहीं देगी। विधानसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने फिर से मोर्चा संभाल लिया है। गोविंद सिंह डोटासरा ने संगठनात्मक सक्रियता बढ़ान के लिए पांचों विधानसभा क्षेत्र के लिए चार सदस्यीय समिति का गठन किया है. समिति द्वारा ब्लॉक, मण्डल तथा बूथ कांग्रेस कमेटियों की बैठक ली जाकर क्षेत्र के जमीनी कार्यकर्ताओं के साथ सीधा संवाद किया जायेगा और जमीनी स्तर पर संगठन का मतदाताओं से संवाद एवं जुड़ाव के लिए कार्य योजना बनाकर चुनाव में जीत सुनिश्चित के लिए रूपरेखा तैयार करेंगे। लोकसभा चुनाव में बीजेपी को राजस्थान में तगड़ा झटका लगा है। राज्य के पांच विधायकों के लोकसभा सांसद चुने जाने के चलते पांच विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। कांग्रेस के सामने अपने विधायकों की सीट बचाने की चुनौती है तो बीजेपी की कोशिश उपचुनाव के ट्रेंड तोड़ने की है। पिछले दस सालों में हुए उपचुनाव में कांग्रेस का पलड़ा भारी रही है। कांग्रेस सत्ता में रही हो या फिर विपक्ष में उपचुनाव की बाजी मारती रही है। ऐसे में सत्ता की कमान संभाल रहे सीएम भजनलाल के लिए बीजेपी को उपचुनाव जिताने का जिम्मा है।

भरतपुर में 450 साल पुराने मंदिर में अवैध निर्माण तोड़ा, लोगों ने किया विरोध प्रदर्शन

भरतपुर , एजेंसी। राजस्थान के भरतपुर के कुम्हेर गेट स्थित जवाहरवीर बाबा के मंदिर परिसर में अवैध निर्माण को प्रशासन ने तोड़ा। इस दौरान वहां काफी संख्या में लोग इकट्ठे हो गए और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। मौके पर इकट्ठे हुए लोगों ने बताया कि यह मंदिर करीब 450 साल पुराना है। चारदीवारी को तोड़े जाने पर मंगलवार देर रात तक बवाल मचा रहा। लोग प्रशासन की इस कार्रवाई के खिलाफ सड़क पर आ गए और जमकर प्रदर्शन किया। रास्ता जाम कर दिया। प्रशासन का कहना है कि उसने सिर्फ अवैध कब्जे को हटाया है। और यह कार्रवाई मंडित कमेटी की शिकायत मिलने के बाद की गई है। मंगलवार को प्रशासन बुलडोजर लेकर मौके पर पहुंचा और चारदीवारी को हटाना शुरू कर दिया। जैसे ही लोगों को इसकी जानकारी हुई तो मौके पर भीड़ जुटना शुरू हो गई। प्रशासन की इस कार्रवाई का विरोध करना शुरू कर दिया। देर रात तक विरोध प्रदर्शन जारी था। लोगों ने अपना आक्रोश व्यक्त करने के लिए रास्ते भी जाम कर दिए। बुलडोजर चलने के दौरान लोगों ने आरती शुरू कर दी। इससे प्रशासन ने अपनी कार्रवाई बीच में ही छोड़ दी। बताया जा रहा है कि हाल ही में प्रशासन ने मंदिर कमेटी को पत्र लिख कर ऊंची चार दीवारी को हटाने के लिए कहा था। आज मंदिर कमेटी के लोगों ने एसडीएम के समक्ष अपना पक्ष रखा। लोगों का आरोप है कि प्रशासन ने मंदिर कमेटी की बात को अनदेखा करते हुए शाम को पुलिस बल के साथ तोड़फोड़ शुरू कर दी। मंदिर का काफी हिस्सा गिरा दिया गया। शासन की इस कार्रवाई की जैसे ही लोगों को जानकारी हुई, मौके पर भरी भीड़ जमा हो गई। शाम करीब सात बजे आरती करना शुरू कर दिया। इसके बाद प्रशासनिक अधिकारी कार्रवाई रोककर वहां से बैरंग लौट गए। लोगों ने इसके बाद प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया और जाम लगा दिया।

यूपी के 40 जिलों में बनेंगे 5 हजार स्वास्थ्य उपकेंद्र, योगी सरकार ने डीएम से मांगा प्रस्ताव

बरेली, एजेंसी। स्वास्थ्य सेवाओं को गांव-देहात तक पहुंचाने के लिए बरेली समेत 40 जिलों में 5000 स्वास्थ्य उपकेंद्र स्थापित किए जाएंगे। शासन ने इसके लिए इन जिलों के जिलाधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी को पत्र भेजा है। उनसे स्वास्थ्य उपकेंद्र के लिए प्रस्ताव मांगा है। जगह तय होने के बाद जल्द ही स्वास्थ्य उपकेंद्र स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। चुनाव आचार संहिता हटने के बाद अब नए कार्य तेजी से शुरू करने की कवायद हो रही है। इसी क्रम में शासन ने बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर समेत प्रदेश के 40 जिलों में नए स्वास्थ्य उपकेंद्र बनाने की प्रक्रिया तेज कर दी है। शासन की तरफ से इन सभी जिलों के जिलाधिकारी और सीएमओ को पत्र भेजा गया है। उनसे स्वास्थ्य उपकेंद्र के लिए जगह तय करने को कहा गया है। स्वास्थ्य उप केंद्र के लिए जगह का निर्धारण वहां की जनसंख्या के अनुसार किया जाएगा। जिस इलाके में जनसंख्या बढ़ी है, वहां जरूर को देखते हुए स्वास्थ्य उपकेंद्र खोलने का प्रस्ताव तैयार किया जाएगा। यह प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा।

पूर्व सीएम बघेल ने लगाया सीजी-टीईटी परीक्षा में गड़बड़ी आरोप, बोले- नहीं कराई गई पर्याप्त ओएमआर शीट, गंभीरता से हो जांच

रायपुर, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीजी-टीईटी) 2024 के दौरान राज्य के धमतरी जिले के एक परीक्षा केंद्र में अनियमितता का आरोप लगाते हुए मंगलवार को परीक्षा की जांच कराये जाने की मांग की है। बघेल ने संबंधित परीक्षा केंद्र के अभ्यर्थियों को परीक्षा में फिर से बैठने का मौका देने की भी मांग की है।

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा आयोजित सीजी टीईटी-2024 परीक्षा राज्य में 23 जून को आयोजित की गई थी। जिसे लेकर पूर्व सीएम बघेल ने रायपुर में संवाददाताओं से चर्चा करते हुए दावा किया कि धमतरी जिले के भखारा स्थित परीक्षा केंद्र महर्षि वेदव्यास शासकीय महाविद्यालय में सीजी-टीईटी परीक्षा के आयोजन में अनियमितताएं सामने आई हैं। बघेल ने कहा कि इस केंद्र पर अपराह्न दो बजे से शाम 4:45 बजे तक दूसरी पाली में 400 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। उन्होंने दावा किया कि परीक्षा के लिए नोडल अधिकारी ने केंद्र को 420 प्रश्न पुस्तिकाएं उपलब्ध कराई लेकिन उत्तर भरने के लिए केवल 160 ओएमआर शीट ही उपलब्ध कराई गईं। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्र के प्रभारी ने उच्च अधिकारियों को फोन पर इसकी जानकारी दी, जिसके बाद अपराह्न करीब सवा तीन बजे केंद्र को 240 ओएमआर शीट उपलब्ध कराई गई, जो करीब डेढ़ घंटे की देरी के बाद अभ्यर्थियों के बीच वितरित की गईं। पूर्व मुख्यमंत्री ने

कहा कि ओएमआर शीट उपलब्ध कराने में देरी के बावजूद अभ्यर्थियों को परीक्षा के लिए अतिरिक्त समय नहीं दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप अभ्यर्थी सभी प्रश्न हल करने में असफल रहे। उन्होंने दावा किया कि परीक्षा केंद्र के प्रभारी ने मंडल के नियंत्रक को स्थिति से अवगत कराया था और आवश्यक मार्गदर्शन मांगा था लेकिन अतिरिक्त समय देने के निर्देश नहीं दिए गए।

समय पर छात्रों को क्यों नहीं मिली ओएमआर शीट- बघेल : बघेल ने कहा कि यह जांच का विषय है कि अभ्यर्थियों की संख्या के अनुसार परीक्षा केंद्र को पर्याप्त ओएमआर शीट क्यों नहीं उपलब्ध कराई गईं। उन्होंने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और अभ्यर्थियों को दोबारा परीक्षा में शामिल होने का मौका देने की मांग की। बघेल ने इस संबंध में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर अभ्यर्थियों के हित में निर्णय लेने की मांग की।

प्रचार्य के पत्र को किया गया साझा : कांग्रेस ने महर्षि वेदव्यास शासकीय महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा नवा रायपुर में व्यावसायिक परीक्षा मंडल के नियंत्रक को लिखे गए पत्र को भी साझा किया, जिसमें उन्होंने परीक्षा के दौरान पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी है। प्राचार्य ने पत्र में लिखा, ओएमआर शीट उपलब्ध कराने में देरी के कारण अभ्यर्थियों ने परीक्षा के लिए अतिरिक्त समय की मांग की थी, जिसके लिए मंडल से फोन पर मार्गदर्शन मांगा गया था। लेकिन वहां से निर्देश मिले कि अतिरिक्त समय नहीं दिया जाएगा।

छात्रों ने पत्र में लिखा नहीं मिला अतिरिक्त समय : संबंधित परीक्षा केंद्र के अभ्यर्थियों ने पत्र लिखकर बोनस अंक देने या पूरी सीजी टीईटी 2024 परीक्षा रद्द करने की मांग की। परीक्षार्थियों ने पत्र में लिखा, दूसरी पाली में परीक्षा का समय अपराह्न दो बजे से शाम 4:45 बजे तक निर्धारित था, जिसमें हमें ढाई बजे प्रश्नपत्र दिया गया जबकि ओएमआर शीट डेढ़ घंटे देरी से दी गई। शाम पौने पांच बजे सभी अभ्यर्थियों से ओएमआर शीट छीन ली कर जमा कर दी गई। अभ्यर्थियों ने अतिरिक्त समय मांगा लेकिन नहीं दिया गया। इससे सभी अभ्यर्थियों का भविष्य प्रभावित होगा। परीक्षार्थियों ने संबंधित परीक्षा केंद्र के अभ्यर्थियों को बोनस अंक प्रदान करने या परीक्षा रद्द करने का अनुरोध किया।

इमरजेंसी के बाद इंदिरा गांधी को लगने लगा था पिटाई का डर, देश छोड़ने की बनाई थी योजना: अन्नामलाई

चेन्नई, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश (तमिलनाडु) अध्यक्ष के अन्नामलाई ने मंगलवार को दावा किया है कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1977 में इमरजेंसी समाप्त होने के बाद देश से बाहर जाने का फैसला किया था। अन्नामलाई ने कहा कि आपातकाल के दौरान हर तरफ दमन था। 1975 से 1977 तक 21 महीनों में 1.14 लाख लोगों को गिरफ्तार किया गया था। आपको बता दें कि आपातकाल की घोषणा 25 जून 1975 को की गई थी। इस दिन को काला दिवस के रूप में मनाते हुए प्रदेश भाजपा ने पूरे तमिलनाडु में कई कार्यक्रम आयोजित किए। चेन्नई स्थित भाजपा मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान अन्नामलाई ने कहा, आपातकाल समाप्त होने के बाद इंदिरा गांधी ने सोचा कि देश की जनता पूरे गांधी परिवार को पीटेगी। इसलिए उन्होंने अपने बेटे और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी से देश से बाहर जाने के लिए मुंबई में उनके लिए एक विशेष विमान तैयार करने को कहा था। लेकिन, 1978 में सत्ता में आने के बाद पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने उन्हें आश्वासन दिया कि देश की जनता उन्हें माफ कर देगी और उनकी जान को कोई खतरा नहीं होगा। टीएनसीसी अध्यक्ष के सेल्वापेरुन्थगई ने आपातकाल और इंदिरा गांधी पर अन्नामलाई की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, आपातकाल के कारण कई लाभ हुए जैसे कि जमींदारी प्रथा और बंधुआ मजदूरी प्रथा का उन्मूलन। वे इन लाभों के बारे में बात नहीं करेंगे।

ओवैसी ने जिस तरह से संसद में शपथ ली, उससे पूरे देश का अपमान हुआ है- गिरिराज सिंह

नईदिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में कल नव निर्वाचित सांसदों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इस दौरान

एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी द्वारा शपथ के बाद लगाए गए नारों को लेकर विवाद गहरा गया। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के फायरब्रांड नेता गिरिराज सिंह ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा, ओवैसी ने जिस तरह से संसद में शपथ ली, उससे पूरे देश का अपमान हुआ है। फिलिस्तीन जिंदाबाद कहना अपराध है और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उन्हें संसद से बाहर निकाला जाना चाहिए। हैदराबाद से पांचवीं बार सदस्य निर्वाचित हुए ओवैसी ने उर्दू में शपथ ली। शपथ लेने से पहले उन्होंने दुआ पढ़ी। अपनी शपथ के बाद उन्होंने मुस्लिमों के लिए एआईएमआईएम का नारा बुलंद करने के अलावा अपने राज्य तेलंगाना, बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के पक्ष में नारा लगाया। ओवैसी ने पश्चिम एशिया के उस क्षेत्र के पक्ष में नारा लगाया जो वर्तमान में युद्ध का सामना कर रहा है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा के केंद्रबिंदु में है। उनकी शपथ के बाद सत्ता पक्ष के कुछ सदस्यों ने आपत्ति जताई, जिससे सदन में हंगामा शुरू हो गया। पीठ पर आसीन राधामोहन सिंह ने सदस्यों को आश्वासन दिया कि शपथ के अलावा कुछ भी रिकॉर्ड में नहीं जाएगा। कुछ मिनट तक हंगामा जारी रहा, जिसके बाद शपथ ग्रहण दोबारा शुरू हुआ। इसके बाद आसन पर लौटे प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब ने कहा कि केवल शपथ का मूल पाठ ही रिकॉर्ड में दर्ज किया जा रहा है। महताब ने कहा, ''मैंने पहले भी कहा है कि कृपया शपथ के मूलपाठ के अलावा किसी और चीज का जिक्र करने से बचें। इसका पालन किया जाना चाहिए। संसद से बाहर संवाददाताओं से बात करते हुए ओवैसी ने कहा कि उन्होंने सदन के भीतर ''जय फलस्तीन'' कहा है। उनका कहना था, ''अन्य सदस्य भी अलग-अलग बातें कह रहे हैं... मैंने कहा 'जय भीम, जय मीम, जय तेलंगाना, जय फलस्तीन। यह कैसे गलत है? मुझे संविधान के प्रावधान बताएं? आपको दूसरों की बात भी सुननी चाहिए।

शहर में घर बनाने का पूरा होगा सपना, ईडब्ल्यूएस को भी फायदा, मोदी सरकार ने बनाया प्लान

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत बीते नौ साल में करीब 84 लाख घर बनकर तैयार हो चुके हैं और इन्हें लाभार्थियों को सौंपा जा चुका है। अब केंद्र सरकार ने इस योजना को विस्तार देने की योजना बनाई है। आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि अगले महीने पेश होने वाले केंद्रीय बजट में शहरों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस), निम्न आय वर्ग (एलआईजी) और मध्यम आय वर्ग (एमआईजी) के लिए किफायती आवास योजना में बदलाव किए जाने की संभावना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में 10 जून को मंत्रिमंडल ने अपने तीसरे कार्यकाल के पहले फैसले में प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत तीन करोड़ अतिरिक्त घरों को मंजूरी दी, जिनमें से एक करोड़ घर पीएमएवाई-शहरी के तहत शहरों के लिए थे। सूत्रों ने बताया कि अतिरिक्त एक करोड़ घरों को पीएमएवाई-यू 2.0 के तहत तैयार किए जाने की संभावना है। जुलाई में आने वाले बजट में इसके लिए फंड की व्यवस्था की जाएगी। एक अधिकारी ने बताया कि नई योजना में पीएमएवाई से सीख ली जाएगी, जिसे 25 जून 2015 को लॉन्च किया गया। यह इस साल दिसंबर में समाप्त होगी। अभी भी तौर-तरीकों पर काम किया जा रहा है, लेकिन नई योजना लाभार्थियों तक बेहतर तरीके से पहुंचने पर फोकस होगी।

जब अब्दुल कलाम से मैंने कहा- आपने गलत नंबर लगा लिया, नारायण मूर्ति की पत्नी सुधा ने बताया किस्सा

नईदिल्ली, एजेंसी। इंफोसिस के पूर्व चेयरपर्सन नारायण मूर्ति की पत्नी और राज्यसभा सांसद सुधा मूर्ति ने मंगलवार को खुलासा किया कि एक बार उन्हें पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम का फोन आया था। तब उन्हें लगा कि गलती से राष्ट्रपति ने उनके पति की जगह उन्हें कॉल लगा लिया। मैं टेंशन में आ गई और सोच रही थी कि मैंने ऐसा क्या किया कि मुझे अब्दुल कलाम का फोन आया? हालांकि कलाम ने जब फोन पर बात की तब जाकर शांत हो पाई।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की सास और राज्यसभा सांसद सुधा मूर्ति को साल 2006 में तत्कालीन राष्ट्रपति अब्दुल कलाम ने पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया था। मंगलवार को उन्होंने कलाम को याद किया और उनके साथ सम्मान पाने वाली तस्वीर पोस्ट करते हुए बताया कि एक बार कलाम साहब ने उन्हें कॉल किया और वह टेंशन में आ गई थीं कि उन्हें कॉल क्यों आया है?

अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर सुधा मूर्ति ने बताया कि उन्हें लगा कि पूर्व राष्ट्रपति का फोन उनके पति और इंफोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति के लिए आया होगा। सुधा मूर्ति ने एक ऑडियो क्लिप में कहा, एक दिन मुझे एक फोन आया कि अब्दुल कलाम आपसे बात करना चाहते हैं। मैंने ऑपरेटर से कहा कि यह एक गलत नंबर है क्योंकि मेरा अब्दुल कलाम से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने एक शो के दौरान रिकॉर्ड की गई अपनी बातचीत सोशल मीडिया पर साझा की। सुधा मूर्ति आगे

बताती हैं कि तो, मैंने ऑपरेटर से कहा कि एक गलती हुई है और कॉल नारायण मूर्ति के लिए हो सकती है। आपने मिस्टर मूर्ति के बजाय मिसेज मूर्ति को कॉल लगा लिया है। वह आगे बताती हैं कि तब उन्हें बताया गया था कि कलाम ने विशेष रूप से कहा था कि वह उनसे ही बात करना चाहते थे। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, मैं टेंशन में आ गई और सोच रही थी कि मैंने ऐसा क्या किया कि मुझे अब्दुल कलाम का फोन आया।

कलाम ने फोन पर की तारीफ : नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद ने तब खुलासा किया कि कलाम ने उनके एक कॉलम की प्रशंसा करने के लिए फोन किया था। उन्होंने कहा, उन्होंने (कलाम) कहा कि उन्होंने आईटी डिवाइड पर मेरा कॉलम पढ़ा और कहा कि उन्हें वास्तव में यह पसंद आया और यह एक शानदार कॉलम है। उन्होंने कहा कि वह हमेशा मेरे कॉलम पढ़ते हैं।

बता दें कि सुधा मूर्ति कई किताबों की लेखिका हैं। उन्हें कन्नड़ और अंग्रेजी साहित्य में उनके योगदान के लिए भी जाना जाता है। 73 वर्षीय मूर्ति साहित्य अकादमी बाल साहित्य पुरस्कार, पद्म श्री (2006) और पद्म भूषण (2023) से सम्मानित हैं। इस साल की शुरुआत में, उन्हें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा राज्यसभा के लिए नामित किया गया था।

भाजपा नेता ने दी थी चुनौती, जवाब में शरद गुट के सांसद ने अंग्रेजी में ली शपथ

नईदिल्ली, एजेंसी। 18वीं लोकसभा के पहले सत्र के दो दिन नवनिर्वाचित सांसदों ने शपथ ली। मंगलवार को लोकसभा में अलग नजारे दिखे। एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने शपथग्रहण के बाद जय फिलिस्तीन के नारे लगाकर विवाद बढ़ाने की कोशिश की तो भाजपा सांसद अतुल गर्ग ने जय मोदी-जय हेगडेवार के नारे लगाए। इस बीच महाराष्ट्र के अहमदनगर से सांसद बने शरद गुट के नेता नीलेश लंके ने अंग्रेजी भाषा में शपथ ली। हालांकि अंग्रेजी में शपथ लेना कोई नई बात नहीं है। राहुल गांधी समेत कई सांसदों ने ऐसा ही किया लेकिन, लंके का अंग्रेजी में शपथ लेना अनोखा है। कारण है- चुनाव के दौरान भाजपा नेता सुजय विखे पाटिल द्वारा उनको चुनौती दी गई थी। महाराष्ट्र के एक नवनिर्वाचित सांसद नीलेश लंके ने मंगलवार को ङ्क पर लिखा कि आज मैंने सांसद के रूप में अंग्रेजी भाषा में शपथ ली है। मैं इस बात से पूरी तरह

वाकिफ हूं कि इस पल से मेरे लिए कितनी बड़ी जिम्मेदारी है। मैं अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के प्रति अपने कर्तव्य को पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाने का प्रयास करूंगा। लंके ने शरद गुट की पार्टी से अहमदनगर से चुनाव लड़ा था। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी और भाजपा नेता सुजय विखे पाटिल को 28 हजार वोटों के अंतर से हराया। मामला यूं है कि लोकसभा चुनाव के दौरान सुजय ने लंके का अंग्रेजी और हिन्दी भाषा को लेकर चुनौती दी थी। दावा किया था कि वे न तो सही से अंग्रेजी बोल पाते हैं और न ही हिन्दी। इसी के जवाब में लंके ने मंगलवार को अंग्रेजी भाषा में शपथ ली थी। प्रचार के दौरान सुजय ने चुनौती दी थी कि अगर लंके एक महीने के अभ्यास के बाद अंग्रेजी या हिंदी में बात कर पाते हैं तो वे अपनी उम्मीदवारी वापस ले लेंगे। मंगलवार को शपथग्रहण के बाद लंके ने कहा कि वह लोगों द्वारा मुझ पर जताए गए भरोसे पर खरा उतरने के लिए लगातार काम करेंगे। आम आदमी की ताकत को कम मत आंकिए शिरुर से एनसीपी (एससीपी) सांसद अमोल कोल्हे ने अपने पार्टी सहयोगी लंके की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, आम आदमी की ताकत को कम मत आंकिए! हां, लंके अंग्रेजी में बात कर सकते हैं। एनसीपी (एससीपी) अहमदनगर जिला प्रमुख राजेंद्र फाल्के ने भाजपा नेता पर तंज कसते हुए कहा, मुझे उम्मीद है कि सुजय ने लंके के शपथग्रहण को देख लिया होगा

सड़कें खराब हैं तो टोल टैक्स लेना गलत, लोग भड़केंगे ही, नितिन गडकरी की दो टूक

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी खराब सड़कों पर टोल वसूलने वालों पर खासे नाराज नजर आए। उनका कहना है कि अगर अच्छी सड़कें और सेवाएं मुहैया नहीं कराई जा रहीं, तो टोल टैक्स वसूलना गलत बात है। एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने टोल प्लाजा पर लगने वाली कतारों पर भी चिंता जाहिर की। हालांकि, खबरें हैं कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण नई व्यवस्था के तहत टोल गेट्स हटाने की तैयारी कर रहा है। सैटेलाइट बेस्ड टोलिंग पर आयोजित वर्कशॉप में शामिल हुए गडकरी ने टोल टैक्स पर खुलकर बात की। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्होंने कहा, अगर आप अच्छी सेवाएं नहीं दे पा रहे हैं तो आपको टोल चार्ज नहीं करना चाहिए...। हम यूजर फीस लेने और अपने हितों की रक्षा के कारण टोलिंग करने में जल्दी में रहते हैं। जब किसी सड़क की स्थिति अच्छी नहीं होती, तो मेरे पास कई शिकायतें आती हैं और सोशल मीडिया पर कई पोस्ट हैं। उन्होंने कहा, आप जहां बहुत अच्छी क्वालिटी की रोड बना रहे हैं, वहां आपको यूजर फीस लेना चाहिए। अगर आप गड्ढों, मिट्टी की सड़क पर टोल ले रहे हैं, तो आपको लोगों की नाराजगी का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग एजेंसियों के अधिकारियों को टोल प्लाजा पर इंतजार करने वालों के दर्द पर ध्यान देना चाहिए। साथ ही उन्होंने ऐसे मैकेनिज्म पर भी बात की, जिसके चलते शिकायत दर्ज कराने और उसे खत्म करने में कम से कम समय लगे। गडकरी ने यह भी कहा कि

वैश्विक नेविगेशन उपग्रह प्रणाली पर आधारित इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह लागू होने पर देश में कुल टोल संग्रह कम-से-कम 10,000 करोड़ रुपये बढ़ जाएगा। भारत में कुल टोल संग्रह सालाना आधार पर 35 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 64,809.86 करोड़ रुपये तक पहुंच गया था। इस महीने की शुरुआत में एनएचएआई ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर उपग्रह-आधारित इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह के कार्यान्वयन के लिए दुनियाभर से रुचि पत्र आमंत्रित किए हैं। इस कदम का उद्देश्य राजमार्गों पर भौतिक टोल बूथ को खत्म करना है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) मौजूदा फास्टैग व्यवस्था के भीतर ही जीएनएसएस-आधारित इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह (ईटीसी) प्रणाली को लागू करने की योजना बना रहा है।

महाराष्ट्र में हार के बाद भाजपा को एक और झटका, पूर्व मंत्री सूर्यकांता पाटिल अब शरद पवार के साथ

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव के नतीजे उम्मीदों के विपरीत आने पर भाजपा में मंथन चल ही रहा है कि इस बीच उसे करारा झटका लगा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री सूर्यकांता पाटिल ने भाजपा छोड़ दी है और अब वह शरद पवार खेमे वाली एनसीपी का हिस्सा बन गई हैं। उन्होंने शनिवार को ही भाजपा से इस्तीफा दिया था और तब से ही अटकलें थीं कि वह शरद पवार खेमे में जा सकती हैं। उन्होंने 11 साल बाद घर वापसी की है। एनसीपी को छोड़कर वह 2014 में ही भाजपा में आ गई थीं। उन्होंने अब घर वापसी करते हुए यह भी कहा कि भाजपा में जाकर उन्होंने गलती की थी। वह नांदेड़ से आती हैं, जहां से अशोक चव्हाण भी हैं। वह फिलहाल भाजपा से राज्यसभा सांसद बने हैं। एक तरफ नांदेड़ पार्टी को लोकसभा चुनाव में हार मिली है और अब पाटिल के शरद पवार खेमे में जाने से उसे झटका लगा है। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले इस तरह नेताओं का छोड़ना उसकी टेंशन बढ़ाने वाला है। शरद पवार ने पाटिल की वापसी पर कहा कि उनके आने से पार्टी को नांदेड़, हिंगोली, परभणी, बीड और अन्य जिलों में मदद मिलेगी। सूर्यकांत पाटिल ने अपने इस्तीफे में कहा कि मैंने कई बार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले से मिलने का समय मांगा था। लेकिन उन्होंने वक्त ही नहीं दिया। इसके साथ ही उन्होंने इस्तीफे में लिखा कि बीते 10 सालों में मैंने बहुत कुछ

सीखा है। इसके लिए पार्टी को धन्यवाद देती हूं। सूर्यकांता पाटिल के करीबी सूत्रों का कहना है कि वह अशोक चव्हाण की एंट्री और उन्हें राज्यसभा भेजे जाने से नाखुश थीं। उन्हें लग रहा था कि उनको यह मौका मिलना चाहिए था। इसके अलावा वह लोकसभा चुनाव में भी लड़ने की दावेदारी कर रही थीं, लेकिन भाजपा से उन्हें मौका नहीं मिल सका था। बता दें कि सूर्यकांता पाटिल ने दिल्ली में हुए किसान आंदोलन के दौरान भी पार्टी से इतर राय रखी थी। इसके बाद से ही कयास लग रहे थे कि वह पार्टी में साइडलाइन चल रही हैं और वह कभी भी अलग राह अपना सकती हैं। पार्टी के दरवाजे उन विधायकों के लिए खुले हैं, जिन्होंने अजित पवार का साथ दिया था महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर से बड़ी उथल-पुथल देखने को मिल सकती है। ऐसी खबरे हैं कि अजित पवार खेमे के विधायक वापस शरद पवार के साथ जा सकते हैं। खुद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने मंगलवार को इसका संकेत दिया। उन्होंने संकेत दिया कि उनकी पार्टी के दरवाजे उन विधायकों के लिए खुले हैं, जिन्होंने अजित पवार का साथ दिया था और जिसके कारण पार्टी में फूट पड़ गई थी। हालांकि, उन्होंने कहा कि ऐसे विधायकों को पार्टी में वापस लाने से पहले वह अपने सहयोगियों से सलाह लेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने कहा, जहां भी (उन विधायकों के) शामिल होने से पार्टी को मदद मिलेगी और कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ेगा, वहां उन्हें शामिल करने में कोई समस्या नहीं है। लेकिन जिन लोगों ने पार्टी के अंदर रहकर पार्टी को कमजोर करने और पार्टी के हितों को नुकसान पहुंचाने का काम किया है, उन्हें वापस नहीं लिया जाएगा। शरद पवार ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं की भावनाओं का सम्मान करना होगा।

गोला फेंक खिलाड़ी

तजिंदर पाल सिंह राष्ट्रीय अंतर राज्यीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप से हटे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के 29 साल के तूर के नाम कुछ समय पहले तक 21.77 मीटर का एशियाई रिकॉर्ड था। सऊदी अरब के मोहम्मद दाओबा तोलो ने 21 जून को मैड्रिड में एस्टाडियो वालेहर्मोसो प्रतियोगिता में 21.80 मीटर के प्रयास के साथ उनके रिकॉर्ड को तोड़ा। भारत के गोला फेंक खिलाड़ी तजिंदर पाल सिंह तूर ने टखने में दर्द के कारण राष्ट्रीय अंतर राज्यीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप से बाहर होने का फैसला किया है। गुरुवार से पंचकुला में शुरू हो रही यह प्रतियोगिता आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने का अंतिम मौका है।

कुछ दिन पहले तक एशियाई रिकॉर्ड धारक तूर विश्व रैंकिंग कोटा के जरिए पेरिस खेलों के लिए क्वालिफाई करने की राह पर थे। वह गत एशियाई चैंपियन और एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता हैं। हालांकि, अब उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया है। तूर ने पीटीआई को बताया कि अभी उनके टखने में थोड़ा दर्द है जिसकी वजह से डॉक्टर ने सिंह को तीन से चार हफ्तों तक थ्रो नहीं करने की सलाह दी है।

भारत के 29 साल के तूर के नाम कुछ समय पहले तक 21.77 मीटर का एशियाई रिकॉर्ड था। सऊदी अरब के मोहम्मद दाओबा तोलो ने 21 जून को मैड्रिड में एस्टाडियो वालेहर्मोसो प्रतियोगिता में 21.80 मीटर के प्रयास के साथ उनके रिकॉर्ड को तोड़ा। यह देखना होगा कि भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) तूर की नवीनतम समस्या से कैसे निपटता है क्योंकि अधिकारी अभी तक इस बारे में कुछ नहीं कह रहे हैं। पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की गोला फेंक स्पर्धा दो अगस्त (क्वालीफाइंग दौर) को शुरू होगी और फाइनल तीन अगस्त को होगा। पिछले महीने एएफआई के अध्यक्ष आदिले सुमारिवाला ने स्पष्ट किया था कि ओलंपिक चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को छोड़कर अन्य सभी खिलाड़ियों के लिए पेरिस ओलंपिक में चयन के लिए राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय चैंपियनशिप (27-30 जून) में भाग लेना अनिवार्य होगा। तूर एक जुलाई 2023 से 30 जून 2024 के दौरान पेरिस ओलंपिक का 21.50 मीटर का स्वत क्वालिफाइंग स्तर हासिल नहीं कर पाए।

उन्होंने 19 जून 2023 को 21.77 मीटर की दूरी तय की लेकिन तब से वह 20 मीटर के दूरी को सिर्फ तीन बार पार कर पाए हैं। पुरुष 3000 मीटर स्टीपलचेज में पेरिस ओलंपिक का स्वत क्वालिफाइंग स्तर हासिल करने वाले एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अविनाश साबले अपनी पसंदीदा स्पर्धा की जगह 1500 मीटर स्पर्धा में हिस्सा ले रहे हैं।

लारा एकमात्र शख्स थे जिन्हें यकीन था कि....

अफगानिस्तान सेमीफाइनल में होगा : राशिद खान

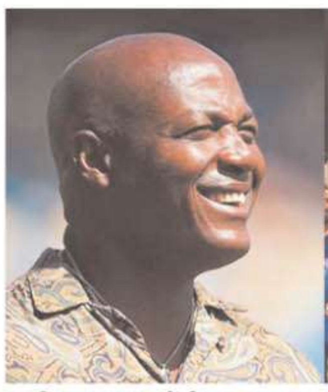

किंग्सटाउन, एजेंसी। अफगानिस्तान ने मंगलवार को टी20 विश्व कप के सुपर 8 मुकाबले में बांग्लादेश को 8 रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। विश्व कप शुरू होने से पहले केवल ब्रायन लारा ही ऐसे पूर्व खिलाड़ी थे जिन्होंने अफगानिस्तान के सेमीफाइनल में पहुंचने की भविष्यवाणी की थी। अब जब अफगानिस्तान सेमीफाइनल में पहुंच गया है तो कप्तान राशिद खान को उसे सही साबित करने में बेहद खुशी महसूस हो रही है। राशिद ने बांग्लादेश से मैच जीतने के बाद कहा कि मुझे लगता है कि हमारा सेमीफाइनल में पहुंचना अफगानिस्तान में युवाओं के लिए एक बड़ी प्रेरणा साबित होने वाला है।

अफगानिस्तान की टीम पहली बार सेमीफाइनल में पहुंची है। हम पहली बार सुपर 8 में भी पहुंचे। अब सेमीफाइनल खेलेंगे। यह एक अविश्वसनीय एहसास है और मुझे लगता है कि हमने एक व्यक्ति को बिल्कुल सही साबित कर दिया है। वह व्यक्ति है ब्रायन लारा। वह एकमात्र व्यक्ति थे जिन्होंने सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चार टीमों में अफगानिस्तान का उल्लेख किया था। मुझे लगता है कि जब हम उनसे स्वागत पार्टी में मिले थे तो हमने उन्हें यह बताया था - हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हम इसे सही भी साबित करें।

राशिद ने कहा कि मुझे लगता है कि जब आपको एक टीम के रूप में किसी दिग्गज से शानदार बयान मिलते हैं, तो मुझे लगता है कि यह आपको बहुत सारी ऊर्जा देता है। जब तक हम चीजों को बहुत सरल रखते हैं हम सब कुछ करने में सक्षम हैं। हमने चीजों को सरल रखा है, हां, कुछ कठिन समय थे लेकिन हमने खुद को निराश नहीं किया और हम हमेशा मजबूत होकर वापस आने की कोशिश करते हैं। भले ही अफगानिस्तान समकालीन क्रिकेट में एक भयंकर प्रतिद्वंद्वी है, लेकिन कम ही लोगों को सेमीफाइनल में उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन की उम्मीद थी।

अब अंग्रेजों की बारी है...

भारत-इंग्लैंड सेमीफाईनल आज

गुयाना, एजेंसी। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 का दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला भारत और इंग्लैंड के बीच 27 जून को गुयाना के प्रोविडेंस क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। पिछले टी20 वर्ल्ड कप (2022) में भी भारत और इंग्लैंड के बीच सेमीफाइनल हुआ था। हालांकि इस मुकाबले में इंग्लैंड ने भारत को 10 विकेट से हराया था। टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के बाद अब इंग्लैंड से भी अपना पुराना बदला जरूर लेना चाहेगी। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा इस वक्त प्रचंड फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने आयरलैंड के खिलाफ पहले मैच में अर्धशतक ठोकने के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सुपर 8 के मैच में शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने 41 गेंद में 8 छक्के और 7 चौके के बूते 92 रन बनाए थे। इंग्लैंड के खिलाफ भी वह बड़ी पारी खेल सकते हैं।

एमिटी खिताब के करीब, सिटी व नॉर्दन यूनाइटेड बेहतर स्थिति में

नई दिल्ली, एजेंसी। विनय के दो बेहतरीन गोलों की मदद से एमिटी इंडियन नेशनल ने नोएडा सिटी एफसी को 2-1 से हरा कर डीएसए ए डिवीजन के सुपर सिक्स मुकाबले में पूरे अंक अर्जित किए। इस जीत से एमिटी के चैंपियनशिप जीतने की उम्मीद बढ़ गई है।

नोएडा सिटी का एकमात्र गोल कर्मण्य ने किया। दिन के दूसरे मैच में नॉर्दन यूनाइटेड ने हेमंत ठाकुर के पेनाल्टी गोल से एम 2 एम को 1- 0 से पराजित किया। एमिटी की जीत का आकर्षण विनय द्वारा क्रमशः 48 और 53 मिनट में जमाए गोल रहे।

पांच मिनट में दो गोल करने के बाद एमिटी की फार्म में गिरावट आई और उसे रक्षात्मक खेलना पड़ा। गोल करने के लिए नोएडा सिटी ने बहुत प्रयास किए लेकिन कर्मण्य बंसल ही गोल जमा पाया। अंतिम 20 मिनट में एमिटी पर दबाव बढ़ जाने के कारण उसके मिड फील्डर और फारवर्ड चल नहीं पाए । नतीजतन नोएडा सिटी ने खेल पर पकड़ तो बनाई लेकिन लगातार आसान मौके और मैच गंवाया।

नॉर्दन यूनाइटेड और एम 2 एम के बीच खेला गया मैच मौके गंवाने वाला रहा। विजेता टीम ने दूसरी जीत के साथ सुपर लीग में खेलने का दावा फिर से पेश किया है। हालांकि अभी एक दिन का खेल बाकी है, इसमें कोई बड़ा उठापटक समीकरण बदल सकता है।

पाकिस्तान के दिग्गज खिलाड़ी

इंजमाम-उल-हक ने भारतीय टीम पर लगाया चीटिंग करने का आरोप

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी अक्सर अपने बयानों को लेकर चर्चा में बने रहते है. वही पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ी हर बार भारतीय टीम के ऊपर आरोप लगाने से एक भी मौका नहीं चूकते है.भारत और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए मैच में भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को रिवर्स स्विंग मिली पूर्व खिलाड़ी ने इसी पर ही सवाल खड़े कर दिए.

पाकिस्तान के दिग्गज क्रिकेटर इंजमाम-उल-हक ने भारत के ऊपर एक बड़ा आरोप लगा दिया है.इंजमाम पाकिस्तान के एक टीवी शो पर बैठकर बात कर रहे थे. इस कार्यक्रम में उनके साथ पाकिस्तान पूर्व कप्तान सलीम मलिक भी मौजूद थे.

अर्शदीप सिंह पर लगाया बड़ा आरोप

पाकिस्तान के दिग्गज खिलाडी इंजमाम-उल-हक ने भारत के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पर बड़ा आरोप लगाया है. इंजमाम ने एक टीवी शो पर कहा की भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबलें में गेंद के साथ छेड़-छाड़ की है. अर्शदीप सिंह भारत के लिए 16वां ओवर लेकर गेंदबाजी करने आए थे. उस ओवर में अर्शदीप को काफी रिवर्स स्विंग मिल रही था. इंजमाम ने अर्शदीप के रिवर्स स्विंग पर अपना ऐतराज जताया है.

इंजमाम ने कहा की इतने कम ओवर में कोई गेंदबाज कैसे रिवर्स स्विंग कर सकता है. अंपायर को गेंद चेक करनी चाहिए थी की भारतीय टीम में गेंद के साथ में कोई छेड़-छाड़ तो नहीं की है. भारतीय गेंदबाज इस टी20 विश्व कप में अलग ही लय में नजर आ रहे है.

DLS मैथड बनाने वाले फ्रेंक डकवर्थ का निधन

84 साल की उम्र में अंतिम सांस ली

लंदन, एजेंसी। DLS मैथड...यह शब्द तो आपने क्रिकेट मैचों के दौरान कई बार सुना होगा। इसे बारिश से प्रभावित इंटरनेशनल क्रिकेट मैचों का नतीजा निकालने के लिए उपयोग किया जाता है। इस मैथड की खोज करने वाले फ्रेंक डकवर्थ का मंगलवार को निधन हो गया है। वे 84 साल के थे। 4 साल पहले टोनी लुइस का भी निधन हो चुका है।

इंग्लैंड के स्टैटीशियन डकवर्थ ने टोनी लुइस के साथ मिलकर इस मैथड की खोज की थी, जिसे इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने 1 जनवरी 1997 को पहली बार जिम्बाब्वे और इंग्लैंड के मैच में लागू किया था। इस मुकाबले को जिम्बाब्वे ने 7 रन से जीता था। उसके बाद ICC ने इसे 1999 में अप्रूव किया और 2001 में टारगेट रिवाइज करने के लिए स्टैंडर्ड मैथड के तौर पर अधिकृत रूप से लागू किया। उन्हें 2010 में MBE (मेंबर ऑफ ब्रिटेश एम्पायर) अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

डेविड वार्नर ने जेक फ्रेजर मैक्गर्क को दी अपनी जिम्मेदारी

● आईपीएल में अपने बल्ले से मचा चुका है तबाही

पर्थ, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ ओपनर बल्लेबाज डेविड वार्नर ने टेस्ट और वनडे क्रिकेट के बाद टी20 को भी अलविदा कह दिया है. वही वार्नर ने इसके बाद अपना उत्तराधिकारी भी घोषित कर दिया है. ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज डेविड वार्नर ने टी20 विश्व कप के बाद ही टी20 क्रिकेट को अलविदा कह दिया. वार्नर पहले ही टेस्ट क्रिकेट और वनडे में संन्यास ले चुके थे. वार्नर ने इस बात की घोषणा पहले ही कर दी थी की वो टी20 विश्व कप के बाद टी20 क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे. वार्नर ने अपना आखिरी टी20 मैच भारत के खिलाफ खेला जिसमें उनके बल्ले से केवल 6 रन ही देखने को मिले. इसके बाद डेविड वार्नर ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए जानकारी दी की वो इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह रहे है. वार्नर ने जाते हुए अपने उत्तराधिकारी की भी घोषणा कर दी है. इंस्टाग्राम पर स्टोरी लगाकर डेविड वार्नर ने जेक फ्रेजर मैक्गर्क को अपना उत्तराधिकारी घोषित कर दिया है.

ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ बल्लेबाज डेविड वार्नर ने इंटरनेशनल क्रिकेट छोड़ने के बाद अपनी जिम्मेदारी इस खिलाड़ी पर छोड़ दी है.वार्नर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी लगाई जिसमें उनके साथ ऑस्ट्रेलिया के युवा ओपनर बल्लेबाज जेक फ्रेजर मैक्गर्क भी मौजूद है. इस स्टोरी पर उन्होंने लिखा की अब तुम्हारे हवाले चैंपियन जेक फ्रेजर मैक्गर्क. इस स्टोरी के बाद अब ऐसा लगता की जेक फ्रेजर मैक्गर्क ही डेविड वार्नर की जगह लेने वाले है. जेक फ्रेजर मैक्गर्क अपने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के लिए जाने जाते है.

पैरा बैडमिंटन

पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी सुहास यथिराज विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे, इस दिग्गज को पछाड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी सुहास यथिराज ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए मंगलवार को जारी बीडब्ल्यूएफ पैरा बैडमिंटन की नवीनतम विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया। सुहास फ्रांस के दिग्गज

लुकास माजुर को पछाड़कर दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बन गए हैं। 40 वर्षीय अर्जुन पुरस्कार विजेता सुहास को टोक्यो पैरालंपिक के एसएल-4 वर्ग के खिताबी मुकाबले में माजुर के खिलाफ हार के चलते रजत पदक से संतोष करना पड़ा था।

सुहास के नाम पर अब 60 हजार 527 अंक हैं जो फ्रांस के उनके प्रतिद्वंद्वी माजुर (58 हजार 953) से अधिक हैं। सुहास ने सोशल मीडिया पर लिखा, अंततः विश्व नंबर एक। यह साझा करते हुए खुशी हो रही है कि आज घोषित नवीनतम बैडमिंटन विश्व महासंघ पैरा बैडमिंटन रैंकिंग में पुरुष सिंगल्स वर्ग में मुझे जीवन में पहली बार विश्व नंबर एक रैंकिंग मिली है। मैंने लंबे समय से विश्व नंबर एक खिलाड़ी फ्रांस के लुकास माजुर की जगह ली। आपके आशीर्वाद और शुभकामनाओं के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

क्लाइम्बिंग

भारतीय पर्वतारोहियों ने पीर पंजाल रेंज में गुप्त पर्वत को फतह किया

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता दक्षिण के बाहरी इलाके सोनारपुर में स्थित पर्वतारोहियों के क्लब सोनारपुर आरोही द्वारा संचालित तथा पर्वतारोही रूद्र प्रसाद हलदर के नेतृत्व में टीम लगभग आठ घंटे की चढ़ाई के बाद सुबह करीब 8.45 बजे गुप्त पर्वत की चोटी पर पहुंची। भारतीय पर्वतारोहियों ने वो काम कर दिखाया जो अब तक इससे पहले कोई भी नहीं कर सका है। पश्चिम बंगाल के नौ पर्वतारोहियों की एक टीम ने मंगलवार को हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति

जिले के पीर पंजाल रेंज में 5,988 मीटर की ऊंचाई पर स्थित एक चोटी गुप्त पर्वत को फतह किया।

पर्वतारोहण टीम के क्लब ने यह जानकारी दी। कोलकाता दक्षिण के बाहरी इलाके सोनारपुर में स्थित पर्वतारोहियों के क्लब सोनारपुर आरोही द्वारा संचालित तथा पर्वतारोही रूद्र प्रसाद हलदर के नेतृत्व में टीम लगभग आठ घंटे की चढ़ाई के बाद सुबह करीब 8.45 बजे गुप्त पर्वत की चोटी पर पहुंची। इस टीम में विश्व के सबसे युवा पर्वतारोही और प्रत्येक महाद्वीप की सात चोटियों तथा सात ज्वालामुखी चोटियों पर चढ़ने वाले भारत के पहले शख्स सत्यरूप सिद्धांत शामिल थे तथा इसमें एक महिला सदस्य दीपोश्री पॉल भी शामिल थीं। यह टीम तीन जून को कोलकाता से माउंट शिकार बेह (6,200 मीटर) और गुप्त पर्वत की चोटी पर चढ़ने के दोहरे लक्ष्य के साथ रवाना हुई थी, लेकिन पता चला कि जब पर्वतारोही चोटी पर जाने के लिए रास्ता बनाने में सफल हो गए, तभी हिमस्खलन के कारण महत्वपूर्ण चढ़ाई उपकरण नष्ट हो गए, जिसके कारण उन्हें शिखर पर चढ़ने की उम्मीद छोड़नी पड़ी।

टी-20 वर्ल्डकप

दोबारा कभी आंध्र के लिए नहीं खेलूंगा...

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के लिए टेस्ट मैच खेल चुके हनुमा विहारी के लिए पिछले कुछ समय ठीक नहीं रहा था. हनुमा विहारी को आंध्र प्रदेश की कप्तान के पद से हटा दिया गया था. जिसके बाद उनके द्वारा आंध्र क्रिकेट संघ पर कई आरोप लगाए गए थे. विहारी के इस आरोप के बाद आंध्र

क्रिकेट संघ ने भी उनको कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया था. जिसके बाद विहारी ने आंध्र ने से दोबारा क्रिकेट ना खेलने का तक का मन बना लिया था. अब भारतीय ऑलराउंडर हनुमा विहारी ने राज्य की सत्ताधारी तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) से राज्य क्रिकेट संघ से उनकी शिकायत का समाधान निकालने का आश्वासन मिलने के बाद आंध्र के लिए ही खेलने की प्रतिबद्धता जताई है.

कैसे बदला हुनमा बिहारी का मन

इस साल के मार्च में आंध्र क्रिकेट संघ (एसीए) ने विहारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है . क्योंकि उन्होंने आरोप लगाया था कि राज्य संघ ने उन्हें कप्तान के पद से विवादास्पद तरीके से हटा दिया था.विहारी ने इसके बाद आंध्र का साथ छोड़ने की घोषणा की थी और मध्य प्रदेश क्रिकेट संघ (एमपीसीए) ने उनसे संपर्क भी किया था. इस महीने की शुरुआत में एसीए ने विहारी को अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी किया था लेकिन अब उन्होंने अपना मन बदल लिया है. खबर के मुताबिक विहारी ने टीडीपी अधिकारियों के साथ सोमवार को मुलाकात की है जिसके बाद उन्होंने पुष्टि की कि वह आंध्र के लिए खेलना जारी रखेंगे.

संक्षिप्त समाचार

उत्तर कोरिया ने फिर दागी बैलिस्टिक मिसाइल, जापान के प्रधानमंत्री ने किया अलर्ट जारी

टोक्यो , एजेंसी। अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ तनाव के बीच उत्तर कोरिया ने मंगलवार

सुबह एक बार फिर बैलिस्टिक मिसाइल दागी। जापान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर यह जानकारी दी। कहा कि उत्तर कोरिया ने मंगलवार को संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइल हमले किए हैं। इसलिए देश में अलर्ट जारी किया जा रहा है। इस जानकारी के कुछ मिनट बाद ही जापान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक और ट्वीट किया। कहा कि उत्तर कोरिया द्वारा दागी गई संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइल के जापान पहुंचने की संभावना नहीं है। इसलिए अलर्ट हटाया जा रहा है। वहीं, पीएमओ ने लोगों से आग्रह भी किया कि किसी भी तरह की कोई जानकारी मिलने पर तुरंत सूचना दें। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने अधिकारियों को विमान और जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और आकस्मिक स्थितियों के लिए सभी संभव उपाय करने के लिए भी कहा। उन्होंने कहा कि जानकारी जुटाने और उसका विश्लेषण करने का अधिक से अधिक प्रयास करें। साथ ही जनता से भी जानकारी जुटाएं। यह बात उत्तर कोरिया द्वारा बार-बार किए जा रहे मिसाइल हमलों के कारण संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया की बढ़ती चिंताओं के बीच कही गई है। इस महीने की शुरुआत में अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया ने एक संयुक्त बयान में हिंद-प्रशांत जल क्षेत्र में यथास्थिति बदलने के किसी भी एकतरफा प्रयास का कड़ा विरोध किया था और उत्तर कोरिया द्वारा बैलिस्टिक मिसाइल तकनीक के इस्तेमाल से हाल ही में किए गए प्रक्षेपणों की कड़ी निंदा की थी।

चुनावी बहस से पहले डोनाल्ड ट्रंप को आंशिक राहत ; फैसले में जज ने कहा- जूरी की सुरक्षा प्राथमिकता

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क की एक अदालत से अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को

आंशिक राहत मिली। अदालत के फैसले के बाद ट्रंप अपने मामले में गवाही देने वाले माइकल कोहेने और स्टॉर्मी डेनियल से जुड़ी टिप्पणी कर सकेंगे। ये राहत इसलिए भी अहम है क्योंकि 27 जून को होने वाली चुनावी बहस में ट्रंप भाग लेंगे। खबरों के मुताबिक अदालत से मिली राहत के बाद ट्रंप बहस के दौरान खुलकर टिप्पणी कर सकेंगे। गौरतलब है कि गुप्त धन से जुड़े आपराधिक मुकदमे में लगे प्रतिबंध आदेश (गैग ऑर्डर) को आंशिक रूप से हटाने के मामले में न्यूयॉर्क के अटॉर्नी अल्वीन ब्रैग (डी) का रूख अपवाद है। एक अन्य जज जुआन मर्चेन ने भी कहा है कि वे 11 जुलाई के फैसले के बाद प्रतिबंध हटाने पर विचार करेंगे। आंशिक रूप से हटाए जाने के बाद ट्रंप जूरी के सामने अपना पक्ष रख सकेंगे। इसी जूरी ने ट्रंप को पिछले महीने 34 आपराधिक आरोपों में दोषी ठहराया था। हालांकि, पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप एक अन्य सुरक्षात्मक आदेश के तहत सार्वजनिक रूप से गवाहों की पहचान का खुलासा नहीं कर सकेंगे। द हिल की रिपोर्ट के मुताबिक प्रतिबंधों में राहत देते हुए जज मर्चेन ने कहा कि जूरी के सदस्यों को संरक्षण प्रदान करना उनकी प्राथमिकता है। न्यूयॉर्क के अटॉर्नी अल्वीन ब्रैग की तरफ से इस संबंध में अपील भी की गई थी।

नाबालिग के साथ यौन उत्पीड़न के मामले में बुद्ध बॉय दोषी करार, अब एक जुलाई को सुनाई जाएगी सजा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की एक अदालत ने बुद्ध बॉय के नाम से मशहूर आध्यात्मिक नेता को यौन उत्पीड़न के आरोप में दोषी ठहराया। बुद्ध बॉय के प्रचलित राम बहादुर बामजन को जनवरी में नाबालिग के साथ यौन उत्पीड़न के के अलावा अपने चार भक्तों के गायब होने के मामले में गिरफ्तार किया गया था। सरलाही जिला न्यायालय के एक जज ने उसे दोषी करार दिया। कोर्ट ने बताया कि सजा एक जुलाई क सुनाई जाएगी। 33 वर्षीय राम बहादुर बामजन को उसके भक्त गौतम बुद्ध का अवतार मानते हैं। उसके भक्तों का मानना है कि बुद्ध बॉय महीनों तक पानी, नींद और भोजन के बिना ध्यान कर सकता है। हालांकि, कुछ पत्रकारों ने उसे ध्यान के दौरान कुछ खाते और सोते हुए भी रिकॉर्ड किया था। 2010 में उसके खिलाफ दर्जनों हमले की शिकायतें दर्ज की गई थी। इस पर सफाई पेश करते हुए बुद्ध बॉय ने बताया था कि ध्यान के दौरान परेशान करने के कारण उसने अपने भक्तों को पीट दिया था। नेपाल की केंद्रीय जांच ब्यूरो ने उसे इस साल काठमांडू के बाहरी इलाके में एक घर से गिरफ्तार किया था। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारी के दौरान उन्होंने 227,000 डॉलर मूल्य के नेपाली बैंक नोट और 23,000 डॉलर मूल्य की अन्य विदेशी मुद्राएं जब्त कीं।

रूस-यूक्रेन के बीच 90 युद्ध बंदियों की अदला-बदली

मास्को, एजेंसी। रूस-यूक्रेन को दो साल से अधिक समय हो चुका है। इस युद्ध के दौरान न जानें कितने ही लोगों को दोनों देशों ने बंदी बना लिया है। हालांकि अब एक अच्छी खबर है। रूस ने बताया कि उसने संयुक्त अरब अमीरात की मध्यस्थता में यूक्रेन के साथ 90 बंदियों का आदान-प्रदान किया है।

प्रदर्शनकारियों ने केन्या की संसद में लगाई आग, ओबामा की सौतेली बहन चोटिल; भारतीयों को एडवाइजरी जारी

नैरोबी, एजेंसी। केन्या में करों (टैक्स) को लेकर प्रदर्शन कर रहे हजारों प्रदर्शनकारी संसद में घुस गए हैं और इमारत के एक हिस्से में आग लग गई है। सांसदों को वहां से निकाला जा रहा है। पुलिस ने इससे पहले मंगलवार को राजधानी नैरोबी में प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाईं। प्रदर्शन में हजारों लोगों ने हिस्सा लिया और उनकी मांग थी कि सांसद एक विवादास्पद वित्त विधेयक में प्रस्तावित नए करों के खिलाफ मतदान करें। पिछले सप्ताह विरोध प्रदर्शनों में दो लोगों की मौत हो गई थी, लेकिन मंगलवार को किसी के हताहत होने की तत्काल कोई जानकारी नहीं है। केन्या के लोगों द्वारा दान की गई सामग्री के साथ चिकित्सकों ने विभिन्न शहरों में अस्थायी आपातकालीन प्रतिक्रिया केंद्र स्थापित किए। विरोध प्रदर्शन का यह दौर तब शुरू हुआ जब सांसदों ने नए करों की पेशकश करने वाले वित्त विधेयक पर मतदान किया। इन नये करों में 'इको-लेवी' भी शामिल है जो सैनिटरी पैड और डायपर जैसी वस्तुओं की कीमत बढ़ाएगी। लोगों के आक्रोश के बाद 'ब्रेड' पर कर लगाने का प्रस्ताव हटा दिया गया लेकिन प्रदर्शनकारी अब भी संसद से इस विधेयक को पारित नहीं करने का आह्वान कर रहे हैं। केन्या मानवाधिकार आयोग ने मंगलवार को अधिकारियों द्वारा प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने का एक वीडियो साझा किया और कहा कि उन्हें जवाबदेह ठहराया जाएगा। आयोग ने 'एक्स' पर राष्ट्रपति विलियम रुटो को

संबोधित करते हुए लिखा, दुनिया आपको अत्याचार की ओर बढ़ते हुए देख रही है! आपकी सरकार के कार्य लोकतंत्र पर हमला हैं। गोलीबारी में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से शामिल सभी लोगों को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

भारतीय नागरिकों से 'अत्यधिक सतर्कता' बरतने को कहा गया : केन्या में भारतीय उच्चायोग ने मंगलवार को भारतीय नागरिकों को अफ्रीकी राष्ट्र में हिंसक विरोध प्रदर्शन से उत्पन्न ''तनावपूर्ण'' स्थिति के मद्देनजर ''अत्यधिक सावधानी'' बरतने की सलाह दी। भारतीय उच्चायोग ने एक परामर्श में कहा, ''मौजूदा तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए केन्या में सभी भारतीयों को अत्यधिक सावधानी बरतने, गैर-जरूरी आवाजाही को प्रतिबंधित करने और स्थिति सामान्य होने तक विरोध और हिंसा प्रभावित क्षेत्रों से दूर रहने की सलाह दी जाती है।'' एक आधिकारिक अनुमान के अनुसार वर्तमान में लगभग 20,000 भारतीय केन्या में रह रहे हैं।

बराक ओबामा की सौतेली बहन हुई चोटिल : सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा की सौतेली बहन व केन्याई कार्यकर्ता औमा ओबामा पर मंगलवार को नैरोबी में संसद भवन के बाहर प्रदर्शन के दौरान आंसू गैस का इस्तेमाल किया गया। संसद में घुसने की कोशिश कर रहे प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने गोलीबारी की, जिसमें कम से कम पांच प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई, दर्जनों घायल हो गए। इस हंगामे के दौरान औमा ओबामा को एक सीएनएन रिपोर्टर ने एक तरफ ले जाकर पूछा कि वह वहां क्यों आई हैं। उन्होंने कहा, मैं यहां इसलिए आई हूं कि देखिए क्या हो रहा है। युवा केन्याई अपने अधिकारों के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं। वे झंडे और बैनर लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। मैं अब कुछ भी नहीं देख सकती। हम पर आंसू गैस के गोले छोड़े जा रहे हैं। उनके पीछे एक व्यक्ति एक तख्ती लिए खड़ा था, जिस पर लिखा था, केन्या में उपनिवेशवाद कभी खत्म नहीं हुआ, जबकि दूसरा चिल्ला रहा था, यह हमारा देश है। यह हमारा राष्ट्र है। औमा ओबामा ने पहले ट्विटर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान अपनी तस्वीरें पोस्ट की थीं। पूर्व राष्ट्रपति ओबामा के कार्यालय ने उनकी बहन से जुड़ी घटना या केन्या में हुई हिंसा पर टिप्पणी मांगने के लिए तुरंत कॉल का जवाब नहीं दिया।

डायपर और सैनिटरी पैड पर भी भारी-भरकम टैक्स : केन्या में विरोध प्रदर्शन का यह दौर तब शुरू हुआ जब सांसदों ने नए करों की पेशकश करने वाले वित्त विधेयक पर मतदान किया। इन नये करों में 'इको-लेवी' भी शामिल है जो सैनिटरी पैड और डायपर जैसी वस्तुओं की कीमत बढ़ाएगी। लोगों के आक्रोश के बाद 'ब्रेड' पर कर लगाने का प्रस्ताव हटा दिया गया लेकिन प्रदर्शनकारी अब भी संसद से इस विधेयक को पारित नहीं करने का आह्वान कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री के घर में जबरन घुसने का प्रयास, अनधिकृत प्रवेश के आरोप में चार लोग गिरफ्तार

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री की सुरक्षा में कथित चूक का मामला सामने आया है। रिपोर्ट के मुताबिक प्रधानमंत्री के घर

में जबरन घुसने का प्रयास करने वाले लोगों को स्थानीय पुलिस ने गिरफ्तार किया है। समाचार एजेंसी एपी के हवाले से पीटीआई ने बताया कि प्रधानमंत्री के आवासीय परिसर में अनधिकृत प्रवेश के आरोप में चार लोग गिरफ्तार किए गए हैं। चार लोगों में एक प्रेस फोटोग्राफर भी शामिल है। उत्तरी यॉर्कशायर पुलिस ने बताया कि उत्तरी इंग्लैंड में प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के कंट्री एस्टेट परिसर में घुसने के बाद मंगलवार को चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक दोपहर के बाद हिरासत में लिए जाने के बाद मामले की गंभीरता को भांपते हुए चारों लोगों को अवैध प्रवेश के संदेह में गिरफ्तार कर लिया गया। खबरों के मुताबिक यूथ डिमांड नाम के एक समूह ने वीडियो पोस्ट किया। इसमें जूते पहने शख्स को सुनक के तालाब में कदम रखते देखा गया। वह शौच करने का नाटक कर रहा था। चार लोगों के इस समूह ने प्रधानमंत्री को विदाई उपहार देने की बात कही और अभद्र भाषा का इस्तेमाल भी किया। समूह से जुड़े व्यक्ति ओलिवर से पुलिस अधिकारी ने अवैध तरीके से घुसने के पीछे इरादों के बारे में पूछा। इस पर उसने कहा, मुझे लगता है कि हमारे इरादे पूरे हो गए हैं। यूथ डिमांड का कहना है कि ब्रिटेन को इस्राइल पर दोतरफा हथियार प्रतिबंध लगाना चाहिए। यह समूह सरकार से 2021 में जारी तेल और गैस लाइसेंस रद्द करने की मांग भी कर रहा है। बता दें कि सुनक ने इस साल की शुरुआत में इस समूह की निंदा की थी। उस समय इस समूह से जुड़े लोगों ने लेबर नेता कीर स्टारमर के घर पर एक बैनर लटका दिया था। इसमें लिखा था हत्या बंद करो। इसे इस्राइल और हमास के युद्ध के संदर्भ में देखा गया। इससे पहले बीते अगस्त में, ग्रीनपीस के चार प्रदर्शनकारियों पर आपराधिक आरोप लगे थे। इन लोगों पर सुनक के घर पर चढ़ने और उनकी योजना का विरोध करने के लिए काले कपड़ों के इस्तेमाल का आरोप लगा था। यह समूह उत्तरी सागर में तेल और गैस ड्रिलिंग का विस्तार करने की सुनक की योजना के खिलाफ है।

गर्मी का प्रकोप- अमेरिका में गर्मी की वजह से मोम वाले अब्राहम लिंकन ही पिघल गए

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में गर्मी की वजह से लोगों का हाल बेहाल है। तेज धूप की वजह से एक अजीबों गरीब मामला सामने आया है। चिलचिलाती हुई धूप की वजह से वॉशिंगटन में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन की छह फुट ऊंची मोम की मूर्ति पिघलने लगी। देखते ही देखते मूर्ति का सर पिघल कर अलग हो गया। लिंकन मेमोरियल की तर्ज पर बनाए गए इस मूर्ति का सिर निकल गया और पैर भी धड़ से अलग हो गया। दूसरा पैर भी सोमवार तक पिघल गया। मूर्ति को बनवाने वाले एनजीओ कल्चरलडीसी ने कहा, हमारे कर्मचारियों ने जानबूझकर लिंकन का सिर हटा दिया है ताकि वह गिरकर टूट न जाए।3,000 पाउंड की इस मोम की मूर्ति को मोमबत्ती की तरह जलाया जाना है और समय के साथ इसमें बदलाव किया जाना है, लेकिन इस भीषण गर्मी ने इस मूर्ति को काफी नुकसान पहुंचाया है। संगठन ने कहा कि लिंकन की मूर्ति में इस्तेमाल किए गए मोम का जमने का बिंदु- जहां कोई पदार्थ पिघलना शुरू होता है- 140 डिग्री(फारेनहाइट) है। 40 एकड़- कैंप बार्कर नाम की इस प्रतिमा को सितंबर तक स्कूल में रखा जाना था। कल्चरलडीसी ने अपनी प्रेस रिलीज में कहा, यह स्थापना डीसी के गृहयुद्ध के दौर के रिफ्यूजी कैंप के इतिहास पर बनाई गई है।

ब्राजील में जेल भरने से सरकार परेशान, कोर्ट ने गांजा को लीगल कर काम किया आसान

ब्रासीलिया, एजेंसी। लैटिन अमेरिकी देश ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को व्यक्तिगत उपयोग के लिए मारिजुआना(गांजा) रखने को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया। अपनी जेलों में बढ़ती आबादी और तमाम कार्यकर्ताओं की मांग के बाद ब्राजील ऐसा करने वाला दक्षिणी अमेरिका का पहला देश बन गया। इस फैसले के पक्ष में मतदान करने वाले सभी जजों ने कहा कि व्यक्तिगत तौर पर निजी उपयोग के लिए गांजा की एक निश्चित मात्रा को रखने को लीगल किया गया है, इससे गैर-अपराधीकरण को बढ़ावा मिलेगा और पुलिस बल अवैध नशीली दवाओं की खरीद-फरोख्त को कम करने में अपना समय दे पाएगा।

देश में गांजा लीगल होने के बाद जजों को अभी अधिकतम मात्रा का निर्धारण करना बाकी है कि एक व्यक्ति आखिर कितना रख सकता है जिसे व्यक्तिगत उपयोग के लिए माना जा सके, यह निर्णय कब से प्रभावी होगा इस पर बुधवार को फैसला आने की संभावना है।

ब्राजील की कांग्रेस ने 2006 में एक कानून को मंजूरी दी थी, जिसमें मारिजुआना सहित कई नशीली दवाओं की थोड़ी सी मात्रा के साथ भी पकड़े जाने पर व्यक्तियों को दंड देने की बात थी। हालांकि कानून स्पष्ट नहीं था और न ही इससे सरकार नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी को कम करने में कामयाबी हासिल कर पाई।

पुलिस लगातार गांजा की थोड़ी सी मात्रा भी लिए मिलने पर लोगों को पकड़कर जेल में बंद करती रही। जिससे ब्राजील की जेल में कैदियों की संख्या लगातार बढ़ती गई।

सामाजिक सुरक्षा से संबंधित थिंक टैंक के अध्यक्ष इलोना सजाबो ने कहा कि ब्राजील की जेलों में बंद अधिकतर पहली बार मादक पदार्थों के साथ पकड़े गए ऐसे लोग हैं जो पहली बार अपराधी बने हैं। जो अपने साथ थोड़ी मात्रा में अवैध पदार्थ ले जा रहे थे और नियमित पुलिस अभियानों में पकड़े गए, इन लोगों के पास न तो कोई हथियार मिला और न ही यह संगठित अपराध के साथ इनका संबंध था।

कई देशों में लीगल है मारिजुआना : लैटिन अमेरिकी देश उरुग्वे 2013 में ही गांजा को लीगल करने के मामले में सबसे पहला देश था, अमेरिका के कुछ राज्यों में भी यह व्यक्तिगत तौर पर रखना तो लीगल है लेकिन उसे किसी और को बेचना लीगल नहीं है। इक्वाडोर और पेरू में भी इसे लीगल कर दिया गया है। यूरोप के कई देशों में गांजा को व्यक्तिगत तौर पर रखना लीगल कर दिया गया है। हाल ही में गांजा को वैध बनाने वाला जर्मनी सबसे बड़ा यूरोपिय देश बना था, जर्मन सरकार के इस फैसले के खिलाफ विपक्षी नेताओं और डॉक्टरों ने अपनी आपत्ति दर्ज कराई थी लेकिन इसके बाद भी गांजा को देश में वैध बना दिया गया था।

हज के दौरान लू लगने से अमेरिकी कपल की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। हज की यात्रा के दौरान पड़ रही गर्मी के कारण अब तक करीब 1300 लोगों की जान जा चुकी है। इनमें से एक अमेरिका के बॉवी, मैरीलैंड का रहने वाला एक दंपत्ति भी शामिल है। अब उनकी बेटी सईदा ने अपने माता-पिता की मौत से जुड़ा एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। सईदा के अनुसार उनके पिता और माता (अल्हाजी अलीउ डौसी वुरी, 71 और हाजा इसतु वुरी, 65) को सऊदी अरब की भीषण गर्मी में करीब दो से तीन घंटों तक धूप में पैदल चलना पड़ा। बीबीसी से बात करते हुए, सईदा ने कहा कि उनके माता पिता के टूर ऑपरेटर ने अपने किए गए वादे के मुताबिक खाने और पीने की कोई व्यवस्थाऐं नहीं की। सईदा के अनुसार उनके माता-पिता ने सऊदी अरब की यात्रा के लिए प्रत्येक व्यक्ति के हिसाब से 11,500 डॉलर का भुगतान किया था, उन्होंने हज पर जाने के लिए पूरे जीवन भर इंतजार किया था, वह इस यात्रा के लिए बहुत खुश थे। उनका यह टूर मैरीलैंड से संचालित एक अमेरिकी टूरिंग फर्म द्वारा लगभग 100 अन्य हज यात्रियों के एक समूह के साथ उनकी यात्रा की व्यवस्था की गई थी। सईदा ने टूर ऑपरेटर पर आरोप लगाते हुए कहा कि माता-पिता से इस यात्रा के पहले बहुत सारे

वादे किए गए थे लेकिन यात्रा के दौरान बहुत सारी चीजें उन्हें प्रदान ही नहीं की गईं। उन्हें अपने लिए भोजन ढूंढ़ने के लिए कई दिन लग गए, जबकि पैकेज में हर दिन उनके लिए भोजन आना था। 15 जून को मेरी जब उन से आखिरी बार बात हुई तो उन्होंने बताया कि वे अपने आप को हाईड्रेट रखने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन बहुत मुश्किल है और वह लगातार 2 घंटे से पैदल चल रहे हैं। सईदा ने बताया कि उसके बाद से मेरी उनसे कोई बात नहीं हुई, बाद में सीधा उनकी मौत की सूचना मिली। सऊदी अरब में दफनाया गया अमेरिकी कपल सऊदी अरब में अमेरिकी दूतावास के अधिकारियों ने और टूर ऑपरेटर ने जोड़े की मौत की पुष्टि की। दूतावास ने सईदा को बताया कि दंपति की मौत प्राकृतिक कारणों से हुई है। दूतावास ने हीट स्ट्रोक को प्राकृतिक कारण माना। सईदा को दूतावास की तरफ से बताया गया कि उसके माता पिता को दफना दिया गया है, लेकिन जब उनसे दफनाने के सही जगह के बारे में पूछा गया तो वे इस बारे में कोई सही जानकारी नहीं दे पाए। सईदा ने सीएनएन को दिए इंटरव्यू में बताया कि हमने सऊदी सरकार से शवों को अपने पास रखने के लिए कहा था ताकि हम सऊदी अरब की यात्रा कर उन्हें, उनके बच्चों की मौजूदगी में उचित तरीके से दफना सकें।

इस्राइल की नई चेतावनी, जल्द गाजा में हमास शासन का होगा खात्मा

यरुशलम, एजेंसी। हमास और इस्राइल बीते आठ महीने से जंग लड़ रहे हैं। इस्राइल द्वारा हमास को खत्म करने का संकल्प गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा है। गाजा में पैदा हुई मानवीय परिस्थितियों को लेकर दुनिया भर के लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। वहीं, इस्राइल अपने लक्ष्य पर डटा हुआ है। उसका कहना है कि वह जल्द ही उत्तरी गाजा में हमास शासन को बदलने की योजना लागू करेगा।

हमास के सदस्यों का होगा खात्मा : इस्राइल के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार तजाची हानेग्बी ने मंगलवार को रीचमैन विश्वविद्यालय के वार्षिक हर्जलिया सम्मेलन में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमास की शासन करने की क्षमता को खत्म करने से उन देशों के लिए अवसर खुलेंगे, जो गाजा में सरकार के साथ मिलकर काम करना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि गाजा में जो नया नेतृत्व होगा, उसमें इस्राइल के अब्राहम समझौते के साझेदार, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोपीय संघ और संयुक्त राष्ट्र शामिल होंगे। वहीं इस्राइली सेना हमास के सदस्यों को ढूंढ-ढूंढ कर खत्म करना जारी रखेगी।

अब यह नई योजना : हानेग्बी ने कहा, हम लंबे समय से इस योजना के बारे में बात कर रहे हैं। मगर तब हमारी कोशिश थी कि हमास को पूरी तरह से खत्म करना। हालांकि अब हमें इसके पूरी तरह से खत्म होने

की प्रतीक्षा करने की जरूरत नहीं है। उस प्रक्रिया में लंबा समय लग सकता है। इसलिए अब हमारी यही योजना है और इस पर अमेरिका भी सहमत हैं। उन्होंने आगे कहा कि आप हमास को पूरी तरह से गायब नहीं कर सकते क्योंकि यह एक विचार है, एक अवधारणा है। गौरतलब है, अमेरिका ने युद्ध के बाद गाजा के शासन के लिए एक दृष्टिकोण स्पष्ट करने के लिए इस्राइल के अधिकारियों पर दबाव डाला है। हालांकि बाइडन प्रशासन इस्राइल द्वारा गाजा पर कब्जा करने का हमेशा ही विरोध करता रहा है। इस बीच, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने जोर देकर कहा कि इस्राइल के तीन युद्ध उद्देश्य हैं हमास की सैन्य और शासन क्षमताओं का विनाश, सभी बंधकों की वापसी और यह सुनिश्चित करना है कि गाजा अब इस्राइल के लिए खतरा नहीं है।

झूठे मामले में सजा मिलने पर अब भारतीय मूल की पीड़िता से गवाह मांग रहे माफी

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। यहां एक भारतीय मूल की आठ सप्ताह की गर्भवती महिला को गलत आरोपों में जेल की सजा काटनी पड़ी थी। यह मामला अब इसलिए सामने आया है क्योंकि इंग्लैंड में एक डाकघर की भारतीय मूल की पूर्व प्रबंधक ने उस इंजीनियर की माफी को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है, जिसके सबूत के चलते उन्हें दोषी ठहराया गया था।

12 साल पहले माना था दोषी : 47 साल की सीमा मिश्रा की सजा अप्रैल 2021 में रद्द कर दी गई थी। उस समय अदालत ने अपना फैसला सुनाते हुए कहा था कि महिला को 12 साल पहले गलत आरोपों में दोषी माना गया था। बता दें, महिला पर आरोप था कि उसने उप डाकपाल के पद पर कार्यरत होते हुए डाकघर की शाखा से 75 हजार पाउंड चोरी किए थे।

कोई नहीं समझ सकता : घोटाले की चल रही जांच को लेकर सीमा ने अदालत में कहा, पूर्व फुजित्सु इंजीनियर गैरेथ जेनकिंस ने बहुत देर से माफी मांगी है। वो भी बहुत कम। जेनिकिंस सदियों पहले माफी मांग सकते थे। जिस हालत से मैं गुजरी हूं उसे कोई नहीं समझ सकता।

कार्यालय के लोगों को नहीं पता था कि वह... : बता दें, महिला की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय में सामने आई, जब घोटाले की जांच में गैरेथ जेनकिंस ने एक लिखित बयान दिया था कि उन्हें नहीं पता कि मिश्रा सजा के दौरान गर्भवती थीं और इसके बारे में उन्हें कई वर्षों बाद पता चला था। उन्होंने कहा था, जो भी हुआ वह बहुत ही दुखद है। मैं उनके साथ जो भी हुआ, उसके लिए मिश्रा और उनके परिवार से सिर्फ माफी ही मांग सकता हूं। बता दें, डाकघर घोटाले में अब पुलिस झूठी गवाही या अदालत से झूठ बोलने को

लेकर जांच कर रही है। 15 उप-पोस्टमास्टर मामले में पूर्व इंजीनियर जेनकिंस विशेष गवाह हैं। जांच के शुरू होते ही उन्होंने किसी भी गलत काम में मिश्रा के शामिल होने से इनकार किया था। डाकघर के पूर्व प्रबंधक ने भेजा था बधाई का मेल इससे पहले, सीमा ने डाकघर के पूर्व प्रबंधक निदेशक डेविड स्मिथ द्वारा मांगी गई माफी को भी स्वीकार नहीं किया था। दरअसल, जिस वक्त मिश्रा को दोषी सिद्ध किया गया था, उस समय स्मिथ ने अपनी पूरी टीम को एक बधाई का मेल भेजा था। उनका मानना था कि उन्होंने इस मामले पर कड़ी मेहनत की है।

अब मांग रहे माफी : स्मिथ ने कहा, यह जानते हुए कि मैं अब क्या कर रहा हूं, यह स्पष्ट है कि मेरे ईमेल से सीमा मिश्रा और उनके परिवार को काफी परेशानी हुई होगी और मैं इसके लिए माफी मांगना चाहता हूं। अगर वाकई सीमा ने कुछ ऐसा किया होता और उन्हें गर्वभती होते हुए सजा मिलती तब भी मैं इसे अच्छी खबर नहीं समझता। मुझे नहीं पता था कि वह गर्भवती हैं। मेल भेजने के लिए मुझे खेद है। उन्होंने कहा, हालांकि ईमेल को देखते हुए मैं उस गुस्से और परेशानी को समझता हूं जो इससे पैदा हुआ होगा और इसके लिए ईमानदारी से माफी मांगता हूं।

मैं आठ सप्ताह की... : सीमा मिश्रा ने उस समय अप्रैल में कहा था, मैं आठ सप्ताह की गर्भवती थी। उन्हें मेरे बेटे से माफी मांगने की जरूरत है। वह बहुत भयानक था। मैं माफी स्वीकार नहीं कर सकती। उन्होंने अब कहा, मेरी सजा को जब पलटा गया, तब कोई माफी मांगने नहीं आया। अब इन लोगों को अचानक इसलिए एहसास हुआ क्योंकि सार्वजनिक जांच में पेश होना है। इसलिए अब माफी मांग रहे हैं। मिश्रा को उस समय दक्षिण-पूर्व इंग्लैंड में ब्रॉन्जफील्ड जेल भेज दिया गया था और साढ़े चार महीने जेल में बिताने पड़े। बाद में उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक टैग पहने हुए अपने दूसरे बेटे को जन्म दिया। स्मिथ ने जांच को बताया कि मिश्रा को टेस्ट मामले के रूप में इस्तेमाल किया गया था।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर | सीधी, गुरूवार 27 जून 2024 | 8

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका एकता यूनियन (सीटू) म.प्र. की कार्यकर्ताओं ने अपनी 16 सूत्रीय मांगों को लेकर विवेकानन्द पार्क से एक रैली के माध्यम से कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर कलेक्टर रीवा को प्रदेश के मुख्यमंत्री, महिला एवं बाल विकास मंत्री के साथ ही आयुक्त महिला एवं बाल विकास विभाग भोपाल के नाम सम्बोधित ज्ञापन सौपा।

किसानों को डीएपी के स्थान पर एनपीके के उपयोग की सलाह

रीवा। जिले के कृषकों को सलाह दी गई है कि वह डीएपी के स्थान पर एनपीके उर्वरकों का प्रयोग करें। कृषि वैज्ञानिकों ने अपनी सलाह में कहा है कि डीएपी में केवल दो तत्व नाइट्रोजन व फास्फोरस प्राप्त होते हैं। जबकि एनपीके उर्वरक से फसलों के लिए आवश्यक सभी तीन मुख्य पोषक तत्वों नत्रजन, स्फुर एवं पोटाश की उपलब्धता होती हैं। इस प्रकार एनपीके उर्वरक से नत्रजन एवं स्फुर के अलावा पौधों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण तत्व पोटाश की पूर्ति किसान भाई सफलतापूर्वक कर सकते हैं। अतः एनपीके उर्वरक का प्रयोग करने पर किसान भाईयों को अलग से पोटाश डालने की जरूरत नहीं पड़ती है व लागत में कमी आती है। उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने किसान भाईयों के लिए डीएपी के स्थान पर एनपीके खाद का उपयोग करने की सलाह दी है।

उप संचालक ने कहा है कि फसलों में उर्वरकों का संतुलित उपयोग लाभदायक होता है। डीएपी के स्थान पर सिंगल सुपर फास्फेट और एनपीके का उपयोग अधिक लाभदायी है। इससे जमीन को सल्फर की प्राप्ति होती है। सिंगल सुपर फास्फेट का उपयोग खेत की तैयारी के समय किया जाता है। जिससे यह फसलों में अधिक कारगर रहता है। डीएपी में उपलब्ध 18 प्रतिशत नाइट्रोजन में से केवल 15 प्रतिशत नाइट्रोजन तथा 46 प्रतिशत फास्फोरस में से 39 प्रतिशत फास्फोरस पानी में घुलकर मिट्टी को प्राप्त होता है। शेष फास्फोरस मिट्टी में जमा हो जाता है जिससे मिट्टी कठोर हो जाती है। इसकी जल धारण क्षमता घटती है। उप संचालक ने बताया है कि आगामी फसल में शंकर धान एवं शंकर मक्का के लिए नाइट्रोजन, फास्फोरस एवं पोटाश एनपीके खाद का उपयोग अधिक लाभकारी होगा। दलहन एवं तिलहन फसलों में 80-40-30 एनपीके तथा सल्फर का उपयोग लाभदायी होगा। उप संचालक ने बताया है कि किसान नैनो तकनीक पर आधारित खाद का भी उपयोग कर सकते हैं। फसलों के लिए 20 प्रतिशत नाइट्रोजन से युक्त नैनो यूरिया तथा 8 प्रतिशत नाइट्रोजन एवं 16 प्रतिशत फास्फोरस से युक्त नैनो डीएपी उपलब्ध है। इनके निर्धारित मात्रा में उपयोग से फसलों को संतुलित मात्रा में पोषक तत्व प्राप्त होते हैं। सामान्य तौर पर एक स्वस्थ पौधे में नाइट्रोजन की मात्रा 1.5 से 4 प्रतिशत तक होती है। फसलों की बढ़वार की स्थिति में इनमें नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी का पत्तियों में छिड़काव करने से पौधों को कारगर तरीके से नाइट्रोजन और फास्फोरस की उपलब्धता हो जाती है। इनके उपयोग से पैदावार में वृद्धि होती है तथा मिट्टी के स्वास्थ्य में भी सुधार होता है। नैनो यूरिया की 500 मिलीलीटर की बोतल 225 रुपए में तथा नैनो डीएपी की 500 मिलीलीटर की बोतल 600 रुपए में मिल रही है। इसकी कीमत एक बोरी खाद से लगभग आधी है। जबकि इसका असर एक बोरी खाद से भी अधिक है। इसलिए नैनो यूरिया और नैनो डीएपी का उपयोग किसानों के लिए अधिक लाभकारी है।

कलेक्टर 28 जून को करेंगी राजस्व कार्यों की समीक्षा

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल 28 जून को सुबह 10 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में राजस्व कार्यों की समीक्षा करेंगी। बैठक में नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन तथा अन्य राजस्व प्रकरणों के निराकरण, सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों एवं भू अर्जन के प्रकरणों की समीक्षा की जाएगी। बैठक में शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा, प्राकृतिक आपदा में राहत राशि वितरण, किसान सम्मान निधि, आवासीय भू अधिकार योजना, राजस्व वसूली तथा ऑडिट आपत्तियों के निराकरण की समीक्षा की जाएगी। अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी ने सभी राजस्व अधिकारियों को एजेण्डा बिन्दुओं की अद्यतन जानकारी के साथ बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

समाधान एक दिन योजना के लिए प्राधिकृत अधिकारी तैनात

रीवा। आमजनता के आवेदन पत्रों का तत्काल निराकरण करने तथा वांछित सेवाएं तत्काल उपलब्ध कराने के लिए समाधान एक दिन योजना लागू है। इस योजना में आवेदन पत्रों के निराकरण के लिए रोस्टर के अनुसार प्राधिकृत अधिकारी लोक सेवा केन्द्रों में तैनात किए गए हैं। इनके साथ-साथ लिंक अधिकारियों की भी नियुक्ति की गई है। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि रीवा ग्रामीण लोक सेवा केन्द्र में सोमवार को नायब तहसीलदार बनकुइयाँ, मंगलवार को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत रीवा, बुधवार को परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास, गुरूवार को बीआरसी रीवा, शुक्रवार को वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी तथा शनिवार को परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग को प्राधिकृत अधिकारी नियुक्त किया गया है।

कलेक्टर ने बताया कि रीवा शहरी लोक सेवा केन्द्र में सोमवार को सहायक आपूर्ति अधिकारी, मंगलवार को श्रम अधिकारी, बुधवार को परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास परियोजना क्रमांक-2, गुरूवार को वन परिक्षेत्र अधिकारी, शुक्रवार को स्वास्थ्य अधिकारी नगर निगम तथा शनिवार को जिला प्रबंधक व्यापार एवं उद्योग केन्द्र को प्राधिकृत अधिकारी बनाया गया है। रायपुर कर्चुलियान लोक सेवा केन्द्र के लिए सोमवार को नायब तहसीलदार मनिकवार, मंगलवार को सीईओ रायपुर कर्चुलियान, बुधवार को परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास, गुरूवार को बीआरसी रायपुर कर्चुलियान, शुक्रवार को वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी तथा शनिवार को बीईओ रायपुर कर्चुलियान को प्राधिकृत अधिकारी बनाया गया है।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त

रीवा। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी निर्वाचन प्राधिकारी श्री एमबी ओझा द्वारा रजिस्ट्रीकरण अधिकारी की नियुक्ति की गई है। मध्यप्रदेश न्यायिक कर्मचारी साख एवं कल्याण सहकारी समिति रीवा के संचालक मण्डल के चुनाव के लिए सदस्यता सूची तैयार की जा रही है। इसके लिए सहकारी निरीक्षक विकास माठे को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बनाया गया है। यह नियुक्ति मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम 1962 के तहत की गई है। मतदाता सूची के संबंध में उपायुक्त सहकारिता अशोक शुक्ला को अपीलीय अधिकारी बनाया गया है।

दुर्घटना पीड़ितों को सहायता देने के लिए समिति गठित

रीवा

मऊगंज जिले में सड़क दुर्घटना पीड़ितों को सहायता राशि एवं अज्ञात वाहन से दुर्घटना होने पर दावा प्रकरणों के निराकरण के लिए जिला स्तरीय समिति गठित की गई है। समिति का अध्यक्ष एवं दावा निपटान आयुक्त कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अजय श्रीवास्तव को बनाया गया है। समिति में सदस्य के रूप में पुलिस अधीक्षक वीरेन्द्र जैन, सभी एसडीएम, तहसीलदार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी तथा न्यू इंडिया इंश्योरेंस कंपनी के प्रतिनिधि को शामिल किया गया है। समिति में अशासकीय सदस्य के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता डॉ मुकेश येंगल को शामिल किया गया है। यह समिति सोलेशियम फण्ड के स्थान पर लागू की गई हिट एण्ड रन मोटरयान दुर्घटना पीड़ित प्रतिकर योजना 2022 का क्रियान्वयन करेगी जिससे अज्ञात वाहन से दुर्घटना होने पर पीड़ितों को समय पर सहायता राशि दी जा सके। समिति योजना के प्रावधानों का व्यापक प्रचार-प्रसार भी करेगी जिससे आवश्यकता होने पर आमजनता इसका लाभ उठा सके।

वेतन आज तक करें जनरेट

रीवा। वरिष्ठ कोषालय अधिकारी आरडी चौधरी ने जिले के सभी आहरण संवितरण अधिकारियों से 27 जून तक वेतन देयक जनरेट करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा है कि सभी अधिकारी उक्त तिथि तक अनिवार्यतः वेतन देयक जनरेट कर दें जिससे एक जुलाई को शत-प्रतिशत अधिकारियों-कर्मचारियों को वेतन का भुगतान किया जा सके। समय पर वेतन जनरेट न करने पर माह की प्रथम तारीख को वेतन दिया जाना संभव नहीं होगा। जिन अधिकारियों, कर्मचारियों का वेतन किसी कारणवश रोका गया है, उन्हें छोड़कर शेष सभी के वेतन देयक जनरेट कर दें।

भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजनान्तर्गत आवेदन आमंत्रित

रीवा। वित्तीय वर्ष 2024-25 में डॉ. भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना के अन्तर्गत जिले के अनुसूचित जाति वर्ग के हितग्राहियों से आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये हैं। आवेदक कि उम्र 18 से 55 वर्ष के बीच हो, आवेदक आयकर दाता न हो, जिले का निवासी हो एवं जाति एवं निवास प्रमाण पत्र सक्षम अधिकारी द्वारा जारी होना चाहिये। आवेदक को स्वरोजगार परियोजनाएं हेतु दस हजार से एक लाख तक का ऋण दिया जायेगा। ऋण पर शासन द्वारा ब्याज अनुदान योजनान्तर्गत अनुसूचित जाति वर्ग के हितग्राहियों को बैंक द्वारा वितरित/शेष पर 7 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ब्याज अनुदान अधिकतम 5 वर्षों तक नियमित रूप से ऋण भुगतान की शर्त पर दिया जायेगा एवं शासन द्वारा गारंटी फीस देय होगी। कार्यपालन अधिकारी जिला अन्त्यावसायी सहकारी विकास समिति एमपी पाठक ने बताया कि इच्छुक आवेदक समस्त डाट एमपी ऑनलाइन डाट जीओव्ही डाट इन पोर्टल से आवेदन कर सकते है। अधिक जानकारी हेतु कार्यालय जिला अंत्यावसायी कमरा नं.- 3 प्रथम तल कलेक्ट्रेट रीवा में कार्यालयीन समय मंम संपर्क कर सकते हैं।

सूची के संबंध में दावे-आपत्तियाँ सात जुलाई तक

रीवा। विपणन सहकारी समिति मर्यादित बैकुण्ठपुर के रिक्त सात संचालकों के चुनाव के लिए सदस्यों की सूची तैयार कर ली गई है। सूची का प्रकाशन समिति कार्यालय, सहायक पंजीयक कार्यालय रीवा, विकासखण्ड कार्यालय सिरमौर तथा सहकारी बैंक शाखा सिरमौर के सूचना पटल पर 24 जून को कर दिया गया है। इस संबंध में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी केएस मरावी ने बताया कि सूची के संबंध में एक जुलाई तक दावे-आपत्तियाँ समिति कार्यालय में दर्ज की जा सकती हैं। इनका निराकरण दो जुलाई को दोपहर एक बजे से किया जाएगा। दावे-आपत्तियों के निराकरण के बाद सदस्यों की सूची जारी की जाएगी।

जिले में अब तक 30.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

जिले को अभी भी झमाझम बारिश का इंतजार

रीवा

जिले में पिछले एक सप्ताह से छुटपुट वर्षा हो रही है। मानसून पूर्व की इस वर्षा से तापमान में गिरावट आई है। वातावरण में नमी बढ़ने के कारण उमस का असर दिखाई दे रहा है। अभी भी जिले को झमाझम बारिश का इंतजार है। अच्छी वर्षा होने के बाद ही फसलों की बोनी का काम शुरू होगा। जिले में 26 जून को 4.2 मिलीमीटर दैनिक वर्षा दर्ज की गई। जिले में एक जून से अब तक 30.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। इस संबंध में अधीक्षक भू अभिलेख ने बताया कि तहसील हुजूर में 36.8 मिलीमीटर, रायपुर कर्चुलियान में 12 मिलीमीटर, गुढ़ 12 मिलीमीटर, सिरमौर 51.4 मिलीमीटर, त्योंथर 17 मिलीमीटर, सेमरिया 50 मिलीमीटर, मनगवां 23 मिलीमीटर तथा जवा तहसील में 43मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। गत वर्ष इसी अवधि में जिले में 30 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई थी। जिले की औसत वार्षिक वर्षा 1044.6 मिलीमीटर है।

कलेक्टर ने 8 अधिकारियों को दिया कारण बताओ नोटिस

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले 8 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सीएम हेल्पलाइन की मई माह की रैंकिंग में स्कूल शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, जल संसाधन विभाग, लोक निर्माण विभाग, वित्त विभाग, खनिज विभाग, श्रम विभाग तथा योजना एवं सांख्यिकी विभाग की रैंकिंग डी श्रेणी में है। कलेक्टर ने इस संबंध में कहा है कि अधिकारियों द्वारा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण में रूचि न लेने तथा लापरवाही बरतने के कारण रैंकिंग में गिरावट आई।

संबंधित सभी अधिकारी लंबित प्रकरणों का तीन दिवस में निराकरण करके कारण बताओ नोटिस का संतोषजनक उत्तर समक्ष में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समय सीमा में निर्देशों का पालन न होने पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी। कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला, कार्यपालन यंत्री जल संसाधन मनोज तिवारी, जिला शिक्षा अधिकारी सुदामालाल गुप्ता तथा अग्रणी बैंक प्रबंधक संजय निगम को नोटिस दिया है। कलेक्टर ने कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग मनोज द्विवेदी, जिला खनिज अधिकारी श्रीमती दीपमाला तिवारी, प्रभारी जिला श्रम अधिकारी आशुतोष सिंह तथा जिला योजना एवं सांख्यिकी अधिकारी आरके कछवाह को कारण बताओ नोटिस दिया है।

लोकसभा अध्यक्ष निर्वाचित होने पर बिरला को उप मुख्यमंत्री ने दी बधाई

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने श्री ओम बिरला को भारत की 18वीं लोकसभा का स्पीकर निर्वाचित होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि श्री बिरला का सुदीर्घ संसदीय जीवन एवं लोकतांत्रिक अनुभव भारत की लोकसभा के सहज संचालन में सहायक होगा।

जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक आज

रीवा

जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक 27 जून को दोपहर दो बजे से जिला पंचायत सभागार में आयोजित की गई है। बैठक की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल करेंगी। बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान, वृक्षारोपण की तैयारी पंचायत निधि के उपयोग, जल जीवन मिशन के कार्यों, कृषि आदान तथा आयुष्मान योजना की समीक्षा की जाएगी। बैठक में जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत के कर्मचारियों को तीसरा और चौथा समयमान वेतनमान स्वीकृत करने के प्रस्तावों पर चर्चा की जाएगी। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ सौरभ सोनवणे ने सामान्य सभा के सभी सदस्यों से बैठक में उपस्थित रहने का अनुरोध किया है। डॉ सोनवणे ने सभी संबंधित अधिकारियों को एजेण्डा बिन्दुओं की जानकारी के साथ बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

कार्यालयीन समय सुबह 10 से शाम 6 बजे तक निर्धारित

रीवा। मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार प्रदेश के सभी शासकीय कार्यालयों के संचालन का समय निर्धारित कर दिया गया है। सभी कार्यालय सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक संचालित होंगे। सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को नियत समय पर कार्यालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं।

जिले में समर्थन मूल्य पर हुई 1098062 क्विंटल गेंहू की खरीद

रीवा। जिले में निर्धारित खरीदी केन्द्रों में एक अप्रैल से सहकारी समितियों द्वारा समर्थन मूल्य पर गेंहू की खरीद की जा रही थी। शासन द्वारा गेंहू खरीदी के लिए निर्धारित तिथि 25 जून तक जिले में 1098062 क्विंटल गेंहू की खरीद 24162 पंजीकृत किसानों से की गई। इस संबंध में जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि इसके लिए किसानों को 263 करोड़ 53 लाख 50 हजार की राशि मंजूर की गयी है। उपार्जित गेंहू का शत-प्रतिशत सुरक्षित भण्डारण करा दिया गया है। अब तक किसानों के बैंक खाते में 263 करोड़ 40 लाख 42 हजार 743 रूपये की राशि का भुगतान किया जा चुका है। शेष बचे किसानों का भुगतान दो दिवस में कर दिया जाएगा।

निगम आयुक्त ने अधिकारियों के साथ जल भरॉव क्षेत्र का किया भ्रमण, दिये आवश्यक निर्देश

रीवा। नगर निगम रीवा में बाढ़ प्रभावित लो लाइन क्षेत्रों के संबंध में निगम आयुक्त डॉ0 सौरभ सोनवणे द्वारा जोनल अधिकारियों/ स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ दिनांक 26.06.2024 को भ्रमण करते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को दुरूस्त किये जाने के निर्देश दिये गये। जिनमें बिछिया नदी के जल भरॉव क्षेत्र जिनमें रानीतालाब, सिन्धीं कालोनी, अशोक नगर, पचमठा, घोघर आदि क्षेत्रों में वर्षा के दौरान बाढ़ की स्थिति निर्मित न हो इस हेतु लांग टर्म समाधान की कार्ययोजना जल्द तैयार की जाय। नदी में जल स्तर बढ़ने पर ऐसे मोहल्ले जहॉ जल भरॉव जल्दी

होता है एवं नदी से लगे बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मुनादी कराते हुए लोगों को सुरक्षित स्थानों में तत्काल पहुँचाने एवं सूचना प्रेषित करने का तंत्र विकसित करने के निर्देश दिए गए। वार्ड 41, 35, 36 में भारी मात्रा में जल बहाव वाले नालो की साफ सफाई कराये जाने के निर्देश दिए गए एवं बाढ़ प्रभावित नगरीय क्षेत्र के अंतर्गत सभी बड़े नाले नालियों की प्रमुख रूप से गाद/कचरा हटाते हुए सफाई कराया जाय जिससे जल निकासी सुचारू रूप से बनी रहे। प्रत्येक वार्ड प्रभारी, वार्डवार मैप तैयार कर नागरिक अधोसंरचना एवं मूलभूत आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर कार्ययोजना तैयार किए जाने के निर्देश दिए गए। पुराने बस स्टैण्ड का स्थल निरीक्षण कर श्रमिकों/यात्रियों को ठहरने के लिए आश्रय स्थल का प्रस्ताव तैयार कराया जाय एवं ट्राफिक कंन्जेशन निर्मित न हो ऐसा वर्कप्लान तैयार किया जाय साथ ही नगर निगम क्षेत्र की सभी दुकानो में आवश्यक रूप से डस्टबिन रखवाया जाय एवं डस्टबिन न पाये जाने पर स्पाट फाईन की कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने नवीन सर्किट हाउस निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

रीवा। रीवा राजनिवास सर्किट हाउस में 4 करोड़ रुपए की लागत से नवीन सर्किट हाउस का निर्माण कराया जा रहा है। अत्याधुनिक पूर्ण सुसज्जित नवीन सर्किट हाउस में 6 सुइट के अतिरिक्त कांफ्रेंस हाल, डायनिंग हाल का निर्माण हो रहा है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कार्य स्थल का भ्रमण कर सभी कार्य 15 अगस्त से पहले पूर्ण कराने के निर्देश निर्माण विभाग के अधिकारियों को दिए। भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने सर्किट हाउस भवन में फिनिशिंग का कार्य तत्काल प्रारंभ कराने तथा सामने लॉन व पीसीसी सड़क निर्माण कार्य शुरू कराने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने राजनिवास के प्रवेश द्वार को बेहतर बनाने तथा तत्काल कार्य प्रारंभ करने के लिए पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को निर्देशित किया।

ननि द्वारा अतिक्रमण विरूद्ध की जा रही कार्यवाही

रीवा। शहर में बढ़ रहे अतिक्रमण पर निगम आयुक्त डॉ0 सौरभ सोनवणे के निर्देशानुसार अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। दिनांक 26.06.2024 को वार्ड 10 में अल्प आय वर्ग सोसाइटी की सड़क पर बीएल तिवारी द्वारा रोड पटरी में निर्माण कार्य हेतु गिटटी गिरवाकर रोड ब्लाक कर दिया गया था, जिससे मोहल्लावासियों के आवागमन में असुविधा हो रही थी। मोहल्लावासियों द्वारा शिकायत किये जाने पर अतिक्रमण प्रभारी श्री ज्ञानेन्द्र द्विवेदी द्वारा तत्काल गिटटी को हटवाया गया एवं संबंधित के ऊपर रू. 5000 की चालानी कार्यवाही की गई। साथ ही कहा गया कि दुबारा पुनरावृत्ति होने पर कड़ी कार्यवाही की जावेगी। जय स्तंभ से हास्पिटल चौराहा, धोबिया टंकी तक एवं शहर के प्रमुख मार्गो पर सड़क पटरी पर किये गये अस्थाई अतिक्रमण को खाली कराया गया। उक्त कार्यवाही में अतिक्रमण प्रभारी के साथ अतिक्रमण दल मौजूद रहा।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी, आर.एन.आई नं. 47589/88, डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833